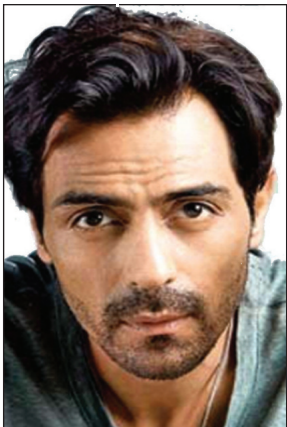




सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



चौक बाजार में गूंजे गणपति बप्पा के जयकारे

पेज: 8



यामी गौतम की फिल्म 'नई नवेली में' हॉरर के साथ कॉमेडी का

पेज: 12

वर्ष : 02

अंक : 161

मंगलवार 15 सितंबर 2026

अमरोहा (उत्तर प्रदेश)

www.sabkasapna.com

पृष्ठ : 12

मूल्य: 2 रुपए

हिंदी दिवस पर इजरायली राजदूत बोले- ‘ नमस्ते भारत, मेरा नाम रुवेन अजार ’



नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदी दिवस के मौके पर भारत में इजरायल के राजदूत रुवेन अजार ने हिंदी में भारतवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा, ‘नमस्ते भारत, मेरा नाम रुवेन अजार है। मैं भारत में इजरायल का राजदूत हूँ।’ इसी के साथ ही उन्होंने बताया कि करीब दो साल पहले भारत आने के बाद उन्होंने हिंदी सीखना शुरू किया था। अजार ने कहा कि दो साल बाद वह हिंदी दिवस के अवसर पर भारत के लोगों को शुभकामनाएं देना चाहते हैं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा कि दो प्राचीन भाषाएं आज भी जीवित हैं। उन्होंने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं। हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। इस दिन हिंदी के महत्व और इसके इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। कर्सी निर्णय की याद में हिंदी दिवस मनाया जाता है।

भाकपा ने ब्रिक्स घोषणापत्र का स्वागत किया, वैश्विक व्यवस्था में सुधार की वकालत की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने ब्रिक्स घोषणापत्र का स्वागत कर एक अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, लोकतांत्रिक और न्यायसंगत अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की दिशा में ब्रिक्स समूह को नेतृत्व करने की वकालत की है। भाकपा महासचिव डी.राजा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में ग्लोबल साउथ की अधिक भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) व विश्व बैंक में सुधार का आह्वान महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने निर्णय लेने वाली संस्थाओं में भारत और अन्य विकासशील देशों को शामिल करने के प्रयासों में तेजी लाने पर जोर दिया। भाकपा महासचिव राजा ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर भारत-चीन संबंधों में हुई प्रगति का उल्लेख किया, जो भाकपा के लंबे समय से चले आ रहे रुख को मजबूत करता है कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, पार्टी ने पश्चिम एशिया में जारी हिंसा पर ब्रिक्स देशों द्वारा जाहिर की गई स्पष्ट चिंता और गाजा में तत्काल संघर्षविराम के आह्वान का भी स्वागत किया।

ठाणे में नाबालिग के यौन उत्पीड़न पर मेडिकल प्रतिनिधि गिरफ्तार

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में नाबालिग छात्रा का एक साल से भी अधिक समय तक कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 26 वर्षीय मेडिकल प्रतिनिधि अमित प्रजापति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने इस जघन्य अपराध को छुपाने और कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए पीड़िता और उसके परिवार को धमकियां दी थीं। इतना ही नहीं, उसने हाल ही में मामले को रफा-दफा करने के लिए परिवार को छह लाख रुपये की मोटी रकम की पेशकश की थी। एक स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता के हस्तक्षेप और सहयोग के बाद ही पीड़िता के परिवार ने हिम्मत जुटाकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया, जिसके बाद यह गिरफ्तारी संभव हुई। पुलिस ने अमित प्रजापति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराधों से बचों का संरक्षण (पॉवसेो) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने लड़की की उम्र का खुलासा नहीं किया है।

गुवाहाटी महिला हत्याकांड : आरोपी पति की पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश में मौत

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम की राजधानी गुवाहाटी में अपनी पत्नी की हत्या के आरोपी रामानुज गोस्वामी की पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान मौत हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रामानुज को मेडिकल जांच के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया जा रहा था। तभी आरोपी ने नरकासुर हिल इलाके में चलती पुलिस गाड़ी से कूदकर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए गोली चलाई, जो रामानुज को लगी। बाद में आरोपी को मृत घोषित किया गया। रामानुज गोस्वामी पर अपनी पत्नी रिया गोस्वामी की निर्मम हत्या का आरोप था। रिया का कट्टा हुआ सिर गुवाहाटी स्थित उनके घर के रेफ्रिजरेटर से बरामद हुआ था, जिसने पूरे शहर को स्तब्ध किया था। पुलिस के मुताबिक, गोस्वामी ने एक घरेलू झगड़े के बाद रिया की हत्या कर दी थी। रिया की कथित हत्या के दो दिन बाद, रामानुज ने थाने में आत्मसमर्पण कर दिया था और पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार कर लिया था। जानकारी के अनुसार, रिया और रामानुज की शादी करीब छह महीने पहले हुई थी और वे हाटीगाव स्थित अपार्टमेंट में साथ रह रहे थे। मूल रूप से गौरीपुर का रहने वाला रामानुज उबर ड्राइवर का काम करता था, जबकि उसकी पत्नी एक दुटीक में कार्यरत थी।

ब्रिक्स की सफलता भारत की कूटनीतिक सफलता: यशवंत सिन्हा

पुतिन-शी समेत सभी राष्ट्रध्यक्षों की मौजूदगी, संयुक्त घोषणापत्र और द्विपक्षीय वार्ताओं को बताया भारत की बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के समापन के बाद पूर्व विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा ने इसे भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक सफलता बताया है। उन्होंने सम्मेलन की सफलता को तीन प्रमुख बिंदुओं में समझते हुए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ईरान के राष्ट्रपति मसूद् पेजेस्कियान की मौजूदगी के साथ संयुक्त घोषणापत्र और द्विपक्षीय बैठकों को महत्वपूर्ण उपलब्धियां बताया। सिन्हा ने एक बातचीत में कहा कि सम्मेलन की पहली सफलता यह रही कि जिन राष्ट्राध्यक्षों को भारत ने आमंत्रित किया था, वे सभी सम्मेलन में पहुंचे। उन्होंने विशेष रूप से पुतिन और शी जिनपिंग की मौजूदगी को अहम बताया। उनके मुताबिक, सम्मेलन के बाद संयुक्त घोषणापत्र जारी होना दूसरी बड़ी सफलता है। उन्होंने कहा कि इससे पहले विदेश मंत्रियों की बैठक में संयुक्त घोषणापत्र जारी नहीं हो पाया था, लेकिन इस बार अधिकारियों के प्रयासों से इस पर सहमति बनी। यशवंत सिन्हा ने सम्मेलन की तीसरी उपलब्धि के तौर पर विभिन्न देशों के नेताओं के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ताओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत ने सम्मेलन के दौरान सभी महत्वपूर्ण नेताओं के साथ बैठकें कीं, जिससे कूटनीतिक स्तर पर संवाद को आगे बढ़ाने का अवसर मिला।



चीन से बातचीत जरूरी, लेकिन भरोसा नहीं चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैठक पर सिन्हा ने कहा कि भारत को चीन के साथ बातचीत जारी रखनी चाहिए, लेकिन उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि चीन लगातार भारत को परेशान करता रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सम्मेलन के दौरान भारत ने अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाई। रात्रिभोज में शी जिनपिंग की अनुपस्थिति को लेकर उन्होंने कहा कि ऐसा

माना जा रहा है कि वह द्विपक्षीय वार्ता से खुश नहीं थे। ईरान और गाजा के मुद्दे पर भी भारत की स्थिति पारंपरिक रुख से कुछ अलग दिखाई दे रही थी, लेकिन ब्रिक्स सम्मेलन में भारत फिर अपने पुराने स्टैंड पर लौटता दिखा। संयुक्त घोषणापत्र में गाजा का जिक्र भी इसका संकेत है। उन्होंने कहा कि समग्र रूप से देखा जाए तो भारत ने ब्रिक्स सम्मेलन में आई थी, ऐसे में ईरानी राष्ट्रपति का ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होना अहम है।

सिन्हा ने इजराइल-फिलिस्तीन मुद्दे पर भी भारत के रुख को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पिछले करीब 12 वर्षों में भारत की स्थिति पारंपरिक रुख से कुछ अलग दिखाई दे रही थी, लेकिन ब्रिक्स सम्मेलन में भारत फिर अपने पुराने स्टैंड पर लौटता दिखा। संयुक्त घोषणापत्र में गाजा का जिक्र भी इसका संकेत है। उन्होंने कहा कि समग्र रूप से देखा जाए तो भारत ने ब्रिक्स सम्मेलन में बड़ी कूटनीतिक सफलता हासिल की है।

जितनी भाषाएं सीख सकें, फडणवीस सरकार के खिलाफ दीपके ने किया आंदोलन का ऐलान

सीखें, लेकिन अपनी भाषा न छोड़ें

-हिंदी दिवस पर अमित शाह ने जेन-जी से की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। हिंदी दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने युवाओं से अधिक से अधिक भाषाएं सीखने के साथ अपनी मातृभाषा से जुड़े रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाई विविधता उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी ताकत है। हर भाषा अपने साथ इतिहास, लोक परंपराएं और दुनिया को देखने का अलग नजरिया लेकर चलती है और यही विविधता देश में ‘विविधता में एकता’ की भावना को मजबूत करती है। अमित शाह ने युवाओं से कहा कि वे

दुनिया की जितनी भाषाएं सीख सकते हैं, सीखें, लेकिन अपनी भाषा को न छोड़ें। उन्होंने माता-पिता से भी बच्चों के साथ उनकी मातृभाषा में बातचीत करने की अपील की। शाह ने कहा कि अपनी भाषा बोलने में हीन भावना महसूस करना गलत है। भाषा व्यक्ति को उसकी मां, मिट्टी, इतिहास और संस्कृति से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि हिंदी संवाद, संपर्क और समन्वय की भाषा के तौर पर देश के अलग-अलग समुदायों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। हालांकि, हिंदी का विकास तभी जायज है जब वह दूसरी भारतीय भाषाओं के साथ आगे बढ़े। हिंदी किसी अन्य भाषा की प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकात्मता की महत्वपूर्ण कड़ी है।

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के चीफ अभिजीत दीपके ने महाराष्ट्र में भाजपा नीत फडणवीस सरकार के खिलाफ एक बार फिर आंदोलन छेड़ने का बड़ा ऐलान किया है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ छात्रों के साथ सफल आंदोलन के बाद, दीपके अब महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) द्वारा आयोजित विभिन्न ऑनलाइन परीक्षाओं में पेपर लीक के खिलाफ अपनी पार्टी और छात्रों के साथ मैदान में उतरेंगे। सीजेपी बीते कुछ दिनों से लगातार फडणवीस सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है, और अब पार्टी ने आंदोलन की घोषणा कर दी है।

सीजेपी ने विज्ञप्ति में कहा कि एमपीएससी

के अध्यक्ष और सचिव के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन आगे भी जारी रखा जाएगा। पार्टी ने सरकार को अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि अगर 24 सितंबर तक उनकी मांग पूरी नहीं हुई, तो वे एमपीएससी अभ्यर्थियों से बातचीत करने के लिए राज्यव्यापी दौरा भी करेंगे। एमपीएससी अभ्यर्थियों से मुलाकात के बाद दीपके ने एक वीडियो संदेश में कहा, मैं और सीजेपी एमपीएससी अभ्यर्थियों की इस लड़ाई में उनके साथ हैं। हम अभ्यर्थियों के साथ तब तक खड़े रहेंगे, जब तक इस्तीफा नहीं हो जाता। दीपके और अन्य नेता महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित अलग-अलग ऑनलाइन परीक्षाओं में पेपर लीक के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन में शामिल होंगे। इससे पहले के कुछ अभ्यर्थियों ने

छत्रपति संभाजीनगर के वालुज इलाके स्थित दीपके के घर पर उनसे मुलाकात भी की थी, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया। इससे पहले अभिजीत दीपके ने करीब एक महीने पहले जंतर-मंतर आंदोलन का सीजन 2 जल्द आने की बात कही थी, जिसमें उन्होंने भाजपा पर युवाओं से डराने का आरोप लगाया था। इस बीच अभिजीत दीपके ने फडणवीस सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे मनोज जरागे को भी समर्थन दिया। दीपके बीते शुक्रवार को जरागे से मिलने पहुंचे थे। मुलाकात के बाद उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को उनकी मांगों का समझने के लिए उनसे बातचीत करनी चाहिए। दीपके ने सवाल उठाया, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री क्या कर रहे हैं? वे



अपने बच्चों को पढ़ने के लिए विदेश भेजते हैं, वहीं यहां के स्कूलों का स्तर ठीक नहीं है। उन्होंने सरकार को चेतावनी भी दी कि जरागे के साथ सोनम वांग्चुक जैसा व्यवहार करने की कोशिश न करें, वरना पूरा महाराष्ट्र आंदोलन में शामिल हो जाएगा।

राज्यसभा सांसदों के दल-बदल से आप को सबक, बनाए कड़े नियम

-राघव चड्ढा के जाने के बाद सजग हुई आम आदमी पार्टी

गोवा, एजेंसी।

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नेताओं के दल-बदल को लेकर सख्ती बरतने का फैसला किया है। उन्होंने घोषणा की है कि भविष्य में किसी भी नेता को राज्यसभा भेजने से पहले उसकी पूरी तरह से जांच की जाएगी। यह बड़ा बदलाव ऐसे समय में आया है जब आप के सात राज्यसभा सांसदों ने पार्टी बदलकर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है, जिनमें राघव चड्ढा, हरभजन सिंह और स्वाति मालीवाल शामिल हैं। गोवा में एक कार्यक्रम के दौरान केजरीवाल ने कहा, अब तक हमारे चुने हुए नेताओं ने कभी किसी को भी धोखा नहीं दिया है। उन्होंने गोवा का उदाहरण देते हुए कहा, गोवा में हमारे पास 2022 में दो विधायक थे। भाजपा को फिर एक विधायक की जरूरत थी, लेकिन वे हमारे विधायकों को नहीं तोड़ पाए। हालांकि, राज्यसभा सांसदों के पार्टी छोड़ने को केजरीवाल ने एक बड़ा सबक बताया



है। उन्होंने कहा, राज्यसभा के मामले में यह हमारे लिए सबक है। अब किसी को भी राज्यसभा भेजने से पहले हम उनकी कड़ी जांच पड़ताल करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि वो सही हैं या नहीं। हालांकि, इस दौरान उन्होंने किसी भी नेता का नाम नहीं लिया। अप्रैल में आप के सात सांसदों ने पार्टी से अलग होकर चड्ढा के अलावा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, विक्रम साहनी, स्वाती मालीवाल, हरभजन सिंह और राजेंद्र गुप्ता का नाम इसमें शामिल था। इस दृष्ट से पहले भारत के उच्च सदन में आप के सांसदों की संख्या 10 थी, लेकिन दो तिहाई से ज्यादा सदस्यों के अलग होने के बाद महज 3 बचे हैं, जिससे पार्टी को बड़ा झटका लगा है।

हाल ही में आप और राघव चड्ढा के बीच उनके मतदाता सूची में नाम कटने को लेकर जमकर विवाद भी देखने को मिला था। दरअसल, पंजाब में एसआईआर (समरी रिवीजन ऑफ इलेक्टोरल रोल्स) प्रक्रिया के दौरान मसौदा मतदाता सूची से चड्ढा का नाम कट गया था, जिसके आरोप उन्होंने आप सरकार पर लगाए थे। चड्ढा ने कहा था, पंजाब की आप सरकार अब बदले की राजनीति को मसौदा मतदाता सूची तक ले आई है। मैं पंजाब से मौजूदा राज्यसभा सदस्य हूँ और मेरा मतदाता पहचान पत्र पंजाब के मोहाली में पंजीकृत है। इसके बावजूद मसौदा मतदाता सूची में मेरे नाम के आगे स्थानांतरित लिखा गया है। उन्होंने आरोप लगाया था कि आप सरकार को अधिकांशियों ने ही उनके नाम को स्थानांतरित के तौर पर चिह्नित और सत्यापित किया।इस पर आप ने जवाब देते हुए कहा था, यह सार्वजनिक जानकारी है कि राघव चड्ढा दिल्ली में रह रहे हैं, पंजाब में नहीं। अगर वह अब पंजाब में नहीं रहते हैं तो अपने मतदाता पंजीकरण को बनाए रखना या उसे दूसरी जगह स्थानांतरित करवाना उनकी अपनी जिम्मेदारी थी।

सहारा रिफंड पोर्टल फिर सक्रिय-फंसे पैसे के लिए इस तरह से करें ऑनलाइन आवेदन

-जान लें क्या हैं जरूरी दस्तावेज

नई दिल्ली,, एजेंसी।

उन लाखों निवेशकों के लिए बड़ी राहत की खबर है, जिनका पैसा सहारा समूह की विभिन्न योजनाओं में फंसा हुआ है। केंद्र ने सहारा रिफंड पोर्टल को फिर सक्रिय कर दिया है, जिससे करीब 20 लाख लंबित दावों की जांच प्रक्रिया फिर से शुरू हुई है। इसके साथ ही, अब अन्य पात्र जमाकर्ता भी अपना पैसा वापस पाने के लिए ऑनलाइन क्लेम कर सकते हैं। यदि आपका भी पैसा सहारा में अटका हुआ है, तब ये खबर आपको घर बैठे क्लेम करने की पूरी प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देगा।

केंद्र सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस पोर्टल को माध्यम से अब तक करीब 42 लाख जमाकर्ताओं को 9,267 करोड़ रुपये की राशि सफलतापूर्वक लौटाई गई। यह पोर्टल मुख्य रूप से सहारा समूह की चार प्रमुख सहकारी समितियों सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी, सहारायन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसाइटी, हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी और स्टारस मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसाइटी के पात्र निवेशकों को ही रिफंड दिलाने के लिए बनाया गया है। ऑनलाइन क्लेम दर्ज होने के बाद,

सत्यापन की व्यवस्थित प्रक्रिया शुरू होगी। सहारा ग्रुप ऑफ कोऑपरेटिव सोसाइटीज निवेशकों के दावों और संलग्न दस्तावेजों की 30 दिनों के भीतर गहन स्कूटनी करेगी। इस प्रारंभिक जांच के बाद, आगे 15 दिनों में सरकारी तंत्र द्वारा अंतिम मंजूरी मिलेगी। इस तरह, आपके आवेदन की तारीख से कुल 45 दिनों के अंदर आपके दावे की स्थिति के बारे में आपको सूचित किया जाएगा। यदि दावा सही साबित और स्वीकृत होता है, तब धनराशि सीधे निवेशक के आधार से जुड़े बैंक खाते में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से ट्रांसफर की जाएगी। यह सुनिश्चित

करता है कि पैसा सीधे सही लाभार्थी तक पहुंचे। रिफंड फॉर्म भरते समय किसी भी प्रकार की त्रुटि या विलंब से बचने के लिए, सभी आवश्यक दस्तावेजों को पहले से स्कैन करके तैयार रखना जरूरी है। क्लेम के लिए निवेशक का आधार कार्ड, आधार से लिंक एक सक्रिय मोबाइल नंबर और आधार से जुड़ा बैंक खाता नंबर अनिवार्य हैं। इसके अतिरिक्त, सहारा सोसाइटी में पैसा जमा करते समय प्राप्त हुई मूल रसीद, पासबुक की प्रति या निवेश प्रमाण पत्र (जैसे बॉन्ड) आदि भी अपलोड करने पड़ सकते हैं। दस्तावेजों में दर्ज सदस्यता संख्या, अकाउंट नंबर और जमाकर्ता का नाम, आधार कार्ड



से पूरी तरह मेल खाना चाहिए। यदि मूल जमाकर्ता का निधन हो चुका है, तब कानूनी उत्तराधिकारी या नॉमिनी को अपने संबंधित कानूनी दस्तावेज और मृत्यु प्रमाण पत्र पोर्टल पर अपलोड करना होगा। नाम या बैंक विवरण में

किसी भी प्रकार की गलती या विसंगति आपके रिफंड का निधन हो सकता है, इसलिए पोर्टल पर जानकारी अपलोड करने से पहले अपने सभी कागजात और विवरणों की अच्छी तरह जांच कर लें।

संपादकीय

मां बोली भरे झोली

भारतीय नौनिहालों की बड़ी विडंबना है कि वे जब इस दुनिया में आंख खोलते हैं तो मां बोली से उनका परिचय होता है। घर में मां प्यार से जिस भाषा में बच्चे से लाड़ करती है और स्नेह उड़ेलती है, वह उस बच्चे की मां बोली होती है। वह पंजाबी भी हो सकती है या तमिल आदि भी। उस भाषा में उसके पुरखों की सदियों से संरक्षित विरासत होती है। उसके रक्त में उसके प्रति सम्मोहन होता है। बच्चा बड़ा होता है तो आस-पड़ोस के बच्चों से उसका हिंदी या राज्य की भाषा में संवाद होता है। उसके लिए यह नई भाषा होती है। उसमें मां बोली जैसी सहजता और सरलता नहीं होती, लेकिन वह उसे सीखता है। दोस्तों के बीच खुर को अभिव्यक्त करता है। फिर स्कूल पहुंचता है तो उसे हिंदी के बाद अंग्रेजी से रुबक होना पड़ता है। जाहिर है, यह वह भाषा होती है जो आमतौर पर उसके मां-बाप या दादा-दादी नहीं बोलेते। लेकिन उस पर उसे सीखने और बोलेने का दबाव होता है। अपनी जिस ऊर्जा को बच्चा सीखने और नया ज्ञान खोजने में लगा सकता है, उसे अपनी सारी ऊर्जा भाषायी जंगल से उबरने में लगानी पड़ती है। यदि बच्चा अपनी मां बोली या हिंदी में अपनी पढ़ाई करता तो उसकी वास्तविक ऊर्जा और समय नया ज्ञान अर्जित करने में लगते। निश्चय ही यह भाषायी व्यवधान उसकी नैसर्गिक विकास गति को प्रभावित करते हैं। क्या कभी भाषा पर राजनीति करने वाले राजनेताओं ने बच्चों की इस समस्या पर संवेदनशील ढंग से विचार किया है?

गंभीर और शोचनीय स्थिति यह है कि जब बच्चा गांव से पढ़कर उच्च शिक्षा के लिए शहर जाता है तो यह भाषायी अवरोध उसकी प्रगति को बाधित करता है। निस्संदेह, गांव से आने वाला बच्चा फरटेंदर अंग्रेजी नहीं बोल सकता। समाज की आर्थिक विषमता ने शिक्षा व्यवस्था में भी गहरा विभाजन पैदा किया है। एक तरफ पांच सितारा पब्लिक स्कूल हैं, जिन्हें समाज के धनदृढ़ लोगों द्वारा राजनीतिक संरक्षण में संचालित किया जाता है। वहां सोने-चांदी की चमच लेकर पैदा हुए बच्चों को दाखिला मिलता है। दाखिला लेना उनकी अपनी नहीं, बल्कि उनके माता-पिता की योग्यता होती है, क्योंकि वे मोटी फीस भरते हैं। इस भेदचाल में मध्यवर्गीय लोगों के बच्चे भी शामिल होते हैं, लेकिन अपने माता-पिता के नौकरी में खटने और कर्ज लेने की क्रीमत पर। इसमें गांव के उस कुशाग्र बुद्धि के बच्चे का क्या कसूर है, जिसे इन पांच सितारा स्कूलों में पढ़ने का मौका नहीं मिल सका? उसके मां-बाप इतना पैसा नहीं दे सके। फिर यह विभाजन आगे चलकर तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं में भी नजर आता है। अंग्रेजीदां अधिकारियों की प्राथमिकता अक्सर अंग्रेजी माध्यम से पढ़े छात्र ही होते हैं।

चितन-मनन

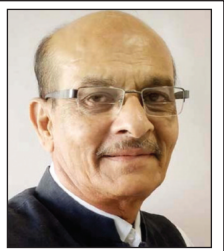
जहाँ शांति है वही सुख

यदि हमारे पास दुनिया का पूरा वैभव और सुख-साधन उपलब्ध है परंतु शांति नहीं है तो हम भी आम आदमी की तरह ही हैं। संसार में मनुष्यों द्वारा जितने भी कार्य अथवा उद्यम किए जा रहे हैं सबका एक ही उद्देश्य है शांति। सबसे पहले तो हमें ये जान लेना चाहिए कि शांति क्या है? शांति का केवल अर्थ यह नहीं कि केवल मुख से चुप रहें अपितु मन का चुप रहना ही सच्ची सुख-शांति का आधार है। कहते हैं कि जहाँ शांति है वहाँ सुख है। अर्थात सुख का शांति से गहरा नाता है। लड़ाई, दुख और लालच को भंग करने के लिए शांति सशक्त औजार है। कई लोग कहते हैं कि बिना इसके शांति नहीं हो सकती। इसके साथ ही भौतिक सुख-साधनों तथा अन्य संसाधनों से शांति होगी यह कहना भी गलत है। यदि इससे ही शांति हो जाती तो हम मंदिर आदि के चक्कर नहीं लगाते। धन-दौलत और संपदा से संसाधन खरीदे जा सकते हैं परंतु शांति नहीं। हम यही सोचते रह जाते हैं कि यह कर लूंगा तो शांति मिल जाएगी। आवश्यकताओं को पूरा करते-करते पूरा समय निकल जाता है और न तो शांति मिलती है और न ही खुशी। खुशहाल पारिवारिक जीवन के लिए जरूरी है कि पहले शांति रहे। जहाँ शांति है वहाँ विकास है। जहाँ विकास है वहाँ सुख है। इसलिए अमूल्य शांति के लिए सबसे पहले हमें अपने आप को देखना होगा। अपने बारे में जानना होगा। मैं कौन हूं, कहाँ से आया हूं और हमारे अंदर कौन-कौन सी शक्तियाँ हैं जो हम अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हैं। शांति का सागर परमात्मा है। हम आत्माएं परमात्मा की संतान हैं। जब हमारे अंदर शांति आएगी तो हमारा विकास होगा। जब विकास होगा तो वहाँ सुख का साम्राज्य होगा। यह प्रक्रिया बिल्कुल सरल और सहज है जिसके जरिए हम यह जान और पहचान सकते हैं। वर्तमान समय अशांति और दुख के भयानक दौर से गुजर रहा है। ऐसे में जरूरत है कि हम अपने धर्म और शाश्वत सत्य को स्वीकारते हुए शांति के सागर परमात्मा से अपने तार जोड़ें। ताकि हमारे भीतर शांति का खजाना मिले। इससे हमारे अंदर शांति तो आएगी ही साथ ही हम दूसरों को भी शांति प्रदान कर सकेंगे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552



सनत जैन

भारत में कर्ज और महंगाई की मार से आम आदमी बुरी तरह से परेशान है। इसमें कोई राहत मिलती हुई दिख नहीं रही है। उल्टे महंगा कर्ज और ईएमआई बढ़ने से आम आदमी बहुत परेशान हैं। हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया रिसर्च की एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें कहा गया है महंगाई को देखते हुए रिजर्व बैंक आफ इंडिया आने वाले समय में रेपो रेट और भी बढ़ा सकता है। रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट बढ़ने का असर सबसे ज्यादा आम आदमियों की ईएमआई और कर्ज के रूप में पड़ेगा। आम आदमी के ऊपर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता



कालिलाल मांडोट

महिलाओं की सुरक्षा किसी भी सभ्य और विकसित समाज की पहली पहचान होती है। जिस समाज में बेटी बिना भय के विद्यालय जा सके, युवती अपने सपनों को पूरा करने के लिए घर से बाहर निकल सके और कामकाजी महिला ढेर तक अपने कार्यस्थल पर रहकर भी सुरक्षित घर लौट सके, वही समाज वास्तविक अर्थों में प्रगति की ओर बढ़ता है। वाराणसी के पिंडरा में आयोजित कामकाजी महिला सम्मान समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को लेकर दिया गया संदेश इसी व्यापक सोच को सामने रखता है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि बेटियों की सुरक्षा में संध लगाने वालों के लिए जेल या जहननुम, दो ही जगह हैं। यह केवल राजनीतिक भाषण का हिस्सा नहीं, बल्कि महिलाओं के प्रति अपराध के विरुद्ध सरकार की कठोर नीति का संकेत भी है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में महिलाओं की सुरक्षा हमेशा बड़ी चुनौती रही है। आबादी का बड़ा हिस्सा गांवों और कस्बों में रहता है, जहां बेटियों की शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी कई बार सामाजिक सोच और सुरक्षा की चिंता से प्रभावित होती है। लंबे समय तक परिवारों के सामने यह प्रश्न रहा कि बेटी को पढ़ने के लिए दूर भेजें या नहीं, उसे प्रशिक्षण दिलाएं या नहीं, नौकरी करने दें या नहीं। योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में इसी मनोवैज्ञानिक भय को रेखांकित किया। उनका कहना था कि जब परिवार को बेटी की सुरक्षा का भरोसा नहीं होता तो सबसे पहले उसके सपनों पर रोक लगती

लो

कतंत्र केवल मतप्रपं पर लगाई गई मुहर का नाम नहीं है। यह उस विश्वास का नाम है जिसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र-निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह-जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। हर वर्ष 15 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस इसी लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आईवीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए ह्मामनवाधिकारों को केन्द्र में लाएह्द को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा।

आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सार्थक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक रहते हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति उदासीन हो जाते हैं, जब चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र, धनबल, बाहुबल या झूठे प्रचार के प्रभाव में आने लगते हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा तो बचा रहता है, लेकिन उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है। आज दुनिया के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियाँ हैं। राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर दबाव दिखाई देता है तथा सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति कई समाजों में चिंता का कारण बन रही है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो जाना पर्याप्त नहीं है। यदि चुनाव के बाद नागरिकों की आवाज को महत्व न मिले, विपक्ष को शत्रु समझा जाए, मीडिया स्वतंत्र न रहे, न्यायपालिका पर दबाव हो और सत्ता जवाबदेही से मुक्त होने लगे, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे बहुमत की निरंकुशता में बदल सकता है। महात्मा गांधी का लोकतंत्र संबंधी चिंतन आज भी इस संदर्भ में अत्यंत

महंगाई और कर्ज की मार से आम आदमी हलाकान

चला जा रहा है। नियमित खर्च के लिए उसे कर्ज का सहारा लेना पड़ रहा है। महंगाई हर महीने बढ़ती चली जा रही है। महंगाई पर सरकार का कोई अंकुश नहीं है। लगता है आम आदमी को कारोबारियों के भरोसे छोड़ दिया गया है। बाजार में मुनाफाखोरी लगातार बढ़ती चली जा रही है। स्टेट बैंक की जो रिपोर्ट जारी हुई है, उसके अनुसार जनवरी 2026 तक 22 वस्तुओं तक महंगाई सीमित थी अब वह बढ़कर 53 वस्तुओं पर पहुंच गई है। पेट्रोल, डीजल, गैस, दवाइयां और इलेक्ट्रॉनिक की लागत बढ़ने से इनकी कीमतें भी लगातार बढ़ रही हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में क्रूड आइल की कीमत बढ़ने से इसका असर हर क्षेत्र में महंगाई बढ़ने के तौर पर हो रहा है। हाल ही में खाडी देशों के तीनों मार्गों से जहाजों की आवाजाही बंद है। अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता होता हुआ नजर नहीं आ रहा है। हुती हमले के बाद स्थितियां और भी नाजुक होती चली जा रही हैं। महंगाई, कर्ज और बेरोजगारी के साथ-साथ बढ़ आर्थिक मंदी का संकट भी बड़ी तेजी के साथ गहरा रहा है। इसका असर वैश्विक स्तर पर हो रहा है। भारत में जिस तरह से महंगाई बढ़ती चली जा रही है, सरकार मुनाफाखोरी और महंगाई को रोकने की

बेटियों के सपनों की राह में अब भय नहीं सुरक्षा और सम्मान का भरोसा

है। महिला सुरक्षा का अर्थ केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ ऐसा वातावरण बनाना है, जिसमें अपराध करने की मानसिकता पैदा होने से पहले ही कानून का भय दिखाई दे। छेड़छाड़, पीछा करना, महिलाओं के साथ अप्रमद व्यवहार, घरेलू हिंसा, दुकर्म और अन्य अपराधों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई तभी सार्थक होती है, जब पीड़िता को शिकायत करने में संकोच न हो और उसे यह विश्वास हो कि व्यवस्था उसके साथ खड़ी है। कठोर कानून के साथ संवेदनशील पुलिस व्यवस्था, त्वरित सुनवाई और पीड़ित महिला को सामाजिक तथा कानूनी सहायता भी सुरक्षा के इसी तंत्र का हिस्सा हैं।

उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर पिछले वर्षों में जिस बदलाव की चर्चा होती रही है, उसका एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अपराध और अपराधी के बीच फर्क करते हुए संगठित अपराध तथा माफिया तंत्र के खिलाफ कठोर कार्रवाई को शासन की प्राथमिकता बनाया गया। मुख्यमंत्री ने वाराणसी में कहा कि सरकार वोट बैंक के लिए किसी माफिया के सामने नहीं झुकती। राजनीति से अलग हटकर देखा जाए तो कानून का शासन तभी मजबूत होता है जब अपराधी की पहचान उसके प्रभाव, धन या राजनीतिक पहुंच से नहीं, बल्कि उसके कृत्य से तय हो। महिलाओं के मामले में यह और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि प्रभावशाली अपराधी के खिलाफ कार्रवाई का अभाव समाज में भय और अपराधी के मन में दुस्साहस पैदा करता है। महिलाओं की सुरक्षा को केवल पुलिस और कानून व्यवस्था का विषय मानना भी अधूरा दृष्टिकोण होगा। सुरक्षा का संबंध महिला के पूरे जीवन से जुड़ा है। घर में शौचालय की सुविधा से लेकर विद्यालय तक सुरक्षित पहुंच, सार्वजनिक परिवहन से लेकर कार्यस्थल तक सुरक्षित वातावरण और आर्थिक आत्मनिर्भरता से लेकर सरकारी योजनाओं तक आसान पहुंच, ये सभी महिला सशक्तीकरण के आधार हैं। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 से पहले की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए बताया कि परिवारों को बेटी की सुरक्षा, घर में शौचालय, इलाज के खर्च

दिशा में ऐसा कोई प्रयास करती हुई नहीं दिख रही है, जिससे ऐसा लगे कि सरकार को आम आदमी की चिंता है। जिसके कारण अब आम जनता में तनाव भी देखने को मिल रहा है। भारत में पिछले वर्षों में कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बड़ी है। आम आदमी के ऊपर ब्याज और ईएमआई का दबाव लगातार बढ़ता चला जा रहा है, ऐसी स्थिति में रिजर्व बैंक की रेपो रेट को बढ़ाने से इसका असर गरीब और मध्यम वर्ग पर बड़े पैमाने पर होगा। महंगाई के कारण आम आदमी अपने रोजाना के खाने-पीने के खर्च और शिक्षा के खर्च पूरे नहीं कर पा रहा है। महंगाई के कारण किचन में तेल और जरूरी सामान कम होते चले जा रहे हैं। बच्चों को पोषण आहार भी नहीं मिल पा रहा है।

लोगों को लगता था सरकार महंगाई और मुनाफाखोरी पर नियंत्रण करेगी, लेकिन नियंत्रण के स्थान पर जिस तरह से कीमतें बढ़ रही है और ब्याज दर भी बढ़ती चली जा रही है। ईएमआई में डिफॉल्ट होने के कारण एनबीएफसी कंपनियों और बैंकों द्वारा मनमाना ब्याज और जुमाना वसूल किया जा रहा है। जिसके कारण आम आदमी की नाराजी लगातार बढ़ती चली जा रही है। सरकार को समय रहते इस दिशा में उपयुक्त

कार्रवाई करने की जरूरत है। जिस तरीके से लोग परेशान हैं, महंगाई के कारण रोजाना तनाव मे जीना पड़ रहा है। जरूरी खर्च के लिए अब उसे कर्ज भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार को ठोस कदम उठाने की जरूरत है। महंगाई और मुनाफाखोरी दोनों पर ही समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो हालात बद से बदतर हो सकते हैं। जिस तरह के हालात 1975 में बने थे। इस तरह के हालात अब बनते हुए दिख रहे हैं। जिन्होंने आपातकाल के पहले की महंगाई और मुनाफाखोरी को देखा है। उस समय के लोगों का कहना है, वर्तमान हालात उससे भी खराब हैं। स्थितियां अभी भी नियंत्रण में नहीं है। कच्चे तेल के दाम लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं, कहा जा रहा है कि 120 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच सकते हैं। ऐसी स्थिति में महंगाई को काबू में कर पाना सरकार के लिए और भी मुश्किल होगा। बेरोजगारी और काम नहीं होने के कारण आम आदमी की हालत वैसे ही खराब है। महंगाई ने जीना पूरी तरह से हाराम कर दिया है। छोटे बच्चों को अब दूध भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण मध्यम और निम्न वर्ग के परिवारों में गुस्सा बढ़ता चला जा रहा है।

केंद्र में रखना होगा। किसी प्रदेश की आर्थिक ताकत केवल उद्योगों और निवेश से नहीं बढ़ती, बल्कि तब बढ़ती है जब उसकी आधी आबादी शिक्षा, रोजगार और उद्यम के क्षेत्र में पूरी क्षमता से योगदान देती है। महिला सुरक्षित होगी तो वह घर की चारदीवारी से बाहर निकलेगी, शिक्षा हासिल करेगी, रोजगार चुनेगी और आर्थिक निर्णयों में अपनी भूमिका बढ़ाएगी। इसलिए महिला सुरक्षा वास्तव में आर्थिक विकास की बुनियादी शर्त है। मुख्यमंत्री का यह संदेश कि अपराधियों को कठोर परिणाम भुगतान होगा, समाज के लिए तभी प्रभावी बनेगा जब इसके साथ महिलाओं में विश्वास भी लगातार मजबूत किया जाए। कानून का भय अपराधी के लिए और व्यवस्था पर भरोसा पीड़िता के लिए, दोनों समान रूप से जरूरी हैं। बेटियों को यह महसूस होना चाहिए कि शिकायत करने पर उनकी आवाज सुनी जाएगी और महिलाओं को यह विश्वास होना चाहिए कि सार्वजनिक स्थान उनका भी उतना ही अधिकार है जितना किसी अन्य नागरिक का।

उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में उठाए गए कदमों की वास्तविक सफलता तब मानी जाएगी, जब किसी पिता को बेटी को स्कूल भेजते समय भय न हो, किसी मां को काम से लौटती बेटी की चिंता न सताए और किसी युवती को अपने करियर का चुनाव सुरक्षा के सवाल से समझौता कर-ने न करना पड़े। सरकार की योजनाओं का अंतिम उद्देश्य भी यही होना चाहिए कि सुरक्षा काजग पर दर्ज व्यवस्था न रहकर आम महिला के जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव बने। महिलाओं की सुरक्षा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का वाराणसी में दिया गया संदेश इसी व्यापक परिवर्तन की ओर संकेत करता है। अपराधी के लिए कठोरता और महिला के लिए सम्मान, दोनों साथ चलें तो कानून व्यवस्था का अर्थ सार्थक होता है। बेटियों के सपनों पर पहरा नहीं, उन्हें उड़ान देने वाला वातावरण चाहिए। जब प्रदेश की बेटियाँ बिना भय के पढ़ेंगी, काम करेंगी, आगे बढ़ेंगी और अपने निर्णय स्वयं लेने का आत्मविश्वास हासिल करेंगी, तभी विकास की तस्वीर पूरी होगी। महिला सुरक्षा इसलिए केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक प्रतिबद्धता है।

शांति, स्वतंत्रता और समानता का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र



प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था- हमरे विचार में लोकतंत्र में सबसे कमजोर व्यक्ति को वही अवसर मिलना चाहिए जो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मिलता है।ह्द गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ ह्दलोकतंत्र शासन की सबसे खराब गणाली है, उन सभी प्राणियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है ह्द यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की शक्त है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्र

डिडौली क्षेत्र में गर्भवती महिला व पति से मारपीट, पुलिस जांच में जुटी



डिंडोली/अमरोहा (सब का सपना):-- कार सवार दलों द्वारा बाइक सवार गंभवती महिला व उनका पति के साथ मारपीत का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार कस्बा जेली निवासी गांव कनपुर के मोहम्मद दानिअजान गंभवती पत्नी के साथ बाइक से जा रहे थे। आरोप है कि पीछे से आ रही तेज रफ्तार बोलेंगे सवार युवकों ने उनकी बाइक को ओवरटेक कर रोक लिया और बिना कारण गली-गलीज शुरू कर दी। देखते ही देखते आरोपियों ने पति-पत्नी के साथ मारपीत व अपहरा का भी, जिसमें गंभवती महिला को भी चोटें आई हैं। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए, जिसके बाद आरोपी धमकी देते हुए बोलेंगे में सवार होकर फरार हो गए। पीड़ित जिले की कोतवाली में तहरीर के बाद कारवाई की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक डिंडोली कुमार ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है, मामले की जांच की जा रही है, जांच के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने 48 घंटे में किया हत्या का खुलासा, बड़े भाई ने ही 6 लाख में कराई थी भाई की हत्या

आदमपुर/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस ने हत्या की घटना का 48 घंटे के अंदर सफल अन्वेषण करते हुए 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है।

अपको बता दें कि जन्पद के थाना आदमपुर में रूपराम पुत्र भोजराज निवासी ग्राम कोकापुर की मढ़ैया में थाना आदमपुर पर सूचना दी कि उनके पुत्र जोगेंद्र कुमार को शाम करीब 8 बजे ब्रजपाल पुत्र बाबू, वीरपाल पुत्र चेताराम व तेजपाल पुत्र बुद्धन निवासी ग्राम दरियापुर तुंगन घर से बुलाकर मोटरसाइकिल से ले गए थे। अगले दिन जोगेंद्र का शव ग्राम औंगरपुर में डॉ. राजेन्द्र नागर के खेत में पड़ा मिला। सूचना पर पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुँचकर कार्रवाई की। फील्ड यूनिट, डॉग स्कवॉड व उच्चाधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रकरण में थाना आदमपुर पर 20/08/2018/2017 घुसारा धारा 103(1) बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया। वहीं पुलिस टीम ने घटनास्थल से मिले साक्ष्यों व वैज्ञानिक जांच के आधार पर घटना का खुलासा किया। जाँच में सामने आया कि मृतक जोगेंद्र कुमार शराब पीने का आदी था, शराब पीकर अपनी जमीन बेचना चाहता था और परिवार से लड़ाई-झगडा करता था। इससे परेशान होकर उसके बड़े भाई ऋषिपाल पुत्र रूपराम ने 6 लाख रुपये का लालच देकर ब्रजपाल, वीरपाल व तेजपाल से अपने ही भाई की हत्या करा दी। आरोपियों ने हत्या कर शव को खेत में छिपा दिया था। पुलिस ने ब्रजपाल पुत्र बाबू, वीरपाल पुत्र चेताराम, तेजपाल पुत्र बुद्धन के विरुद्ध धारा 103(1)/238(1)/61(2) बीएनएस तथा ऋषिपाल पुत्र रूपराम के विरुद्ध धारा 103(1)/61(2) बीएनएस के तहत कार्रवाई करते हुए चारों को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों की निशानदेही की प्रभाव में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है। खबर लिखे जाने तक पुलिस के द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश करने की तैयारी की जा रही थी।

बाल विवाह के खिलाफ छात्रों को किया जागरूक, शिक्षकों को प्रशस्तिपत्र देकर किया सम्मानित

सम्भल(सब का सपना)- जनपद विशाल स्कूल के कायनात इंटरनेशनल स्कूल, संभल में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चलता गया। अभियान के दौरान छात्र-छात्राओं को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के दुष्परिणामों को जानकारी देते हुए इसके खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को बाल विवाह के शिद्दक शपथ भी दिलाई गई। वनप्रतिपदा दिवस के उपलक्ष्य में प्रवर्तन संस्था सम्भल को ओर से विद्यालय



के शिक्षकों को प्रशस्तिपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिक्षकों को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और बच्चों



एवं समाज को जागरूक करने के प्रयासों के लिए सम्मानित किया

गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों, शिक्षकों और समाज के लोगों को

बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना तथा बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण में सभी की सहभागिता बढ़ाना रहा इस दौरान संस्था सम्भव ले फील्ड कोऑर्डिनेटर शिराज अहमद, प्रधानाध्यापक मोहम्मद इमरान, डायरेक्टर ख्वाज मोहम्मद फहीम, सबीहा गालिब अयाज अहमद, शाहजेब अख्तर अहमद तसदिक, हम्मे हानी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

द आर्यन्स में विद्यार्थियों ने धूमधाम से मनाया गणेश चतुर्थी का उत्सव

अमरोहा (सब का सपना):-
जनपद के अग्रणी शिक्षण संस्थान

द आर्यन्स, जोया में गणेश चुटुथी का पर्व श्रद्धा, उल्लास एवं भक्ति भावों के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में भगवान गणेश बने हुए बच्चों की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने गणपति बप्पा का पूजन कर सभी के सुख, समृद्धि एवं सफलता की कामना की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गणेश वंदना एवं संस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विशेष रूप से गणेश जी की वेशभूषा में शौच कक्षा 2 से काव्यांश, रान्या सोजी, मनस्वी,



मिसा, पृथ्वी और आन्ना चौबरी आदि विद्यार्थियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय गणेश के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत की। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने विद्यार्थियों को गणेश चतुर्थी के महत्व से अवगत कराते हुए बताया कि भगवान गणेश ज्ञान, बुद्धि, विवेक एवं शुभाशंकर के प्रतीक हैं। यह वह हमें सकारात्मक सोच, विनमता और

सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।
इस अवसर पर विद्यालय के पबंधक

चौधरी हरपाल सिंह एवं अनिल कुमार सिंह, निदेशक अमन लिङ्ग एवं गैरव्यवसायिकों के समुचित रूप से सभी विद्यार्थियों को गुणेश चतुर्थी की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि भारतीयों एवं त्योहार विद्यार्थियों को अपनी समृद्ध संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आदिति कश्यप मोहिनी नृत्य विभिन सैनी गातिविद्य प्रभारी जागृति कैशिक, चांदनी बत्रा, शिवानी सिंह, ममता एवं सरिता ममता आदि समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय सहयोग रहा।

ट्यूबवेल से स्टार्टर-केबल चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

असमोली/सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में ट्यूबवेलों से

स्टार्टर और केबल चोरी करने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किए गए तीन स्टार्टर और दो केबल के टुकड़े बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार, 30 जुलाई को ग्राम भूड़ा बेगमपुर निवासी साहब सिंह पुत्र सुशीला सिंह ने थाना असमोली में तहरीरी सचना दी थी कि अज्ञात



अभियुक्तों द्वारा उनके तथा पड़ोसी के ट्यूबवेल से स्टार्टर और केबल चोरी कर लिए गए हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने ससंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने चोरी की घटना में प्रकाश में आए आरोपियों सलिम पत्र साबिर और

आरिफ पुत्र नसीम अहमद को 13 सितंबर को ग्राम असमोलो-भूड़ा बेगमपुर मार्ग पर बिजलीघर वाले तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों को निशानदेही पर तीन स्टार्टर और दो केबल के टुकड़े बरामद किए गए। बरामदगी के आधार पर दर्ज मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस दोनों आरोपियों के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई में तैयार है।

**गंगा धाम तिगरी में अंतिम संस्कार में पहुंचे दो पक्षों में
जमकर चले लाठी डंडे, 5 पांच घायल, एक की हालत गंभीर**

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) :- गंगा धाम तिरी में आँसू संस्कार करण पढ़ते लोगों के दो पक्षों में कहासुनी के दौरान जमकर लाठी डंडे चल गए। इस दौरान पाँच लोटे धाँयल गए गए जिसमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंगा घाट पर अचानक हुई इस मारपीट से गंगा घाट पर अफरा तफरी मच गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हो रहा है। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बता दें कि यह पूरी घटना रिवरबाँ की शाम की बताई जा रही है बताया जा रहा है कि अगर कोठावाली क्षेत्र के मोल्ला फाजलपुर के लोग एक युवक की शव यात्रा के दौरान गंगा धाम तिरी में उसके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पहुंचे थे इसी दौरान किसी बात को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हो गई, देखते ही देखते कुछ आमने सामने आ डंडों के काँट देर-देराने दोनों पक्षों के अंग अंग तिराकर फाँट दिए गए।



बढ़ने पर दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि दोनों पक्षों के लोगों ने एक दूसरे पर लाठी डंडों से हमला किया। गंगा घाट पर अचानक हुई इस मारपीट से वहां मौजूद अन्य लोगों में भगदड़ मच गई। मारपीट के दौरान पांच लोग घायल हो गए इन्में से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। वहीं घटना के दौरान बहाने मौजूद कुछ

लोगों ने मारपीट का वीडियो अपने मोबाइल के कम्प्रे में कैद कर लिया बाद में यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जिसमें दोनों पक्ष के लोग आपस में लाठी डोंडों के साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं वीडियो के सामने आने के बाद पुलिस को घटना की जानकारी मिली इसके बाद पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा दोनों पक्षों के

बोच हुए विवाद की वजह जानने की कोशिश की जा रही है साथ ही मारपीट में शामिल लोगों की पहचान के लिए वायरल वीडियो और मौके पर मौजूद लोगों से जानकारी जुटाई जा रही है पुलिस से जानकारा है की जांच के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी घटना के बाद तिगरी गंगा धाम में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी पुलिस पैनी नजर बनाए हुए है।

दहेज और मारपीट के मामले में विवाहिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज



नीगांवा सादत/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नौका में सदा टी थाना क्षेत्र में देहज एवं मारपीट से जुड़े मामले में थाना पुलिस ने विवाहिता की शिकायत पर ससुराल पक्ष के लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बता दें कि नीगांवा सादत थाना क्षेत्र के एक विवाहिता की शिकायत पर पुलिस ने ससुराल पक्ष से जुड़े मामले में मुकदमा दर्ज किया है। शिकायत में देहज की मांग, प्रताड़ना, छेड़छाड़ और मारपीट से संबंधित आरोप लगाए गए हैं। पीड़िता ने मामले में पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस के अनुसार, शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस शिकायत में लगाए गए आरोपों और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच कर रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी मार्च 2026 में हुई थी। शादी के बाद ससुराल पक्ष से जुड़े विवाद को लेकर उसने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर दी। प्रार्थना पत्र में देहज की मांग और घरेलू विवाद से संबंधित बांटे दर्ज कार्रवाई गई थी। शिकायत में 30 अगस्त को मायके में कुछ लोगों के पहुंचने और विवाद के दौरान मारपीट किए जाने की बात भी कही गई थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस का कहना है कि मामले से जुड़े तथ्यों, शिकायत में लगाए गए आरोपों और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद निष्पत्तीनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि न्याय पंचायत सिवौरा में मत्स्य पालन एवं बहुउद्देशीय समिति के गठन हेतु एक बैठक का आयोजन किया जाएगा। बैठक दिनांक 16 सितंबर 2026 को ग्राम पूरनपुर, न्याय पंचायत सिवौरा, विकास खंड जोया स्थित पंचायत घर में प्रातः 11:00 बजे आयोजित होगी।

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में एसडीएम न्यायिक के पदभारी की कमान नैनयुक्त रितु रानी ने अपने हाथों में ले ली है। उन्होंने सोमवार को अपने आधिकारिक पदभार को ग्रहण किया। इस दौरान तहसील परिषद में खुशी का माहौल बना रहा। वहीं एसडीएम के पदभारी परिसर में बार एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं अधिकारियों ने नए प्रशासकियों अधिकारी के आने पर उनका फूल-मालाएं पहनाकर एवं पुष्प कुंड भेंट कर भव्य स्वागत किया। बता दें कि समारोह के दौरान बार एसोसिएशन मंडी धनौरा के अध्यक्ष संदीप गुप्ता के नेतृत्व में अधिकतकों ने एस-डीएम न्यायिक रितु रानी का पुष्पगुच्छ और फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया। पदभारी ग्रहण करने के बाद एसडीएम न्यायिक रितु रानी ने कहा कि न्यायपालिका और बार



एडोसिएशन एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उनकी पहली प्राथमिकतावादकारियों को समय पर, पारदर्शी और आसान न्याय दिलाना होगी। तहसील स्तर पर लंबित न्यायिक मामलों को जल्द से जल्द हल करने के लिए प्रयास किए जाएंगे। बार और बेंच के बीच बेहतर तालमेल बनाकर आम जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से हल किया जाएगा,

ताकि आम लोगों को न्याय के लिए भटकना न पड़े। वहीं, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप गुप्ता ने कहा कि नई एसडीएम न्यायिक रीतू रानी का धनौरा तहसील में बार एसोसिएशन की ओर से स्वागत है। अधिवक्ताओं और प्रशासन के बीच हमेशा सम्मानजनक और सकारात्मक संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि मैडम

के कार्यकाल में न्यायिक कार्यों में तेजी आगयी और वादकारियों को आसान न्याय मिलेगा। बारा एप्सोपिशन न्यायिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में प्रशासन को अपना पूरा सहयोग देगी इस स्वागत समारोह के दौरान बारा एप्सोपिशन के अध्यक्ष सदीप गुप्ता के साथ चौधरी अनिल रफी, विनोद कुमार शास्त्री, हितेश कुमार, मूलचंद त्यागी, सहा सैनी, शिवकुमार सैनी, जयप्रकाश सैनी, अमबीर सैनी, हितेश टोनिन्या, अनिल शर्मा, अलोक भारती, राजीव सैनी, अशोक त्यागी, शाहनवाज सैफी, अनिल भटनाराय, सर्वेश शर्मा, वरुण दिल्ली, अग्रवाल, कपिल यादव, दिग्विजय सैनी, मुकेश सैनी, प्रदीप जाटव, तिलकराज चौहान, मुकेश चौहान, मूलचंद त्यागी, लखमीचंद, सिद्धार्थ यादव और कपिल अग्रवाल सहित कई अधिकृत मौजूद रहे।

इंटर कॉलेज अस्करीपुर में लिपिक नियुक्ति पर उठे सवाल, जांच की मांग

नियमानुसार विज्ञापन व चयन प्रक्रिया नहीं अपनाने का आरोप, आजीवन सदस्य ने अधिकारियों को भेजा शिकायती पत्र

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के इंटर कॉलेज अस्करीपुर में लिपिक पद पर हुई नियुक्ति को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कॉलेज के आजीवन सदस्य जितेंद्र सिंह पुत्र चंद्रपाल सिंह ने प्रधानाचार्य इंद्रपाल यादव एवं प्रबंध समिति पर नियुक्ति प्रक्रिया में अनियमितता बरतने तथा सांठगांठ के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच कराए जाने की मांग की है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि कॉलेज में लिपिक पद पर रोहित कुमार की नियुक्ति निर्धारित नियमों का पालन किए बिना की गई है। आरोप है कि नियुक्ति से पूर्व राज्य स्तरीय समाचार पत्र में विज्ञापन प्रकाशित नहीं कराया गया और न ही किसी प्रकार की परीक्षा अथवा पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाई गई। शिकायतकर्ता ने नियुक्ति में मोटी धनराशि के लेन-देन का भी आरोप लगाया है। जितेंद्र सिंह ने इस संबंध में प्रमुख सचिव माध्यमिक शिक्षा, निदेशक माध्यमिक शिक्षा प्रयागराज तथा जिला विद्यालय निरीक्षक बिजनौर को शिकायती पत्र भेजकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने आरोपों की पुष्टि होने पर नियुक्ति निरस्त करने तथा जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। शिकायतकर्ता का कहना है कि शिक्षा संस्थान में नियुक्तियों की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और नियमसम्मत होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से मामले की जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाने की मांग की है।

पटाखा फैक्ट्री की आड़ में बारूद का खेल, 1000 किलो विस्फोटक बरामद

सुतली बम के साथ 315 व 32 बोर के कारतूस मिले, फैक्ट्री सील

बिजनौर (सब का सपना):- पटाखा फैक्ट्री की आड़ में कथित रूप से बड़े पैमाने पर विस्फोटक सामग्री और कारतूस तैयार किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बिजनौर से सटे चौकपुरी गांव स्थित बजरंग फायर वर्क्स में पुलिस, राजस्व और अग्निशमन विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की। पुलिस के अनुसार फैक्ट्री से करीब 1000 किलो विस्फोटक सामग्री बरामद हुई है। इसके अलावा बड़ी मात्रा में सुतली बम तथा 315 और 32 बोर के निर्मित व अर्धनिर्मित कारतूस भी मिले हैं। मामले में नहटौर निवासी युसूफ उर्फ मुल्ला बारूद और गुफरान अंसारी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार एसपी कृष्ण कुमार विश्मोई के सीयूजी नंबर पर चौकपुरी स्थित पटाखा फैक्ट्री को लेकर शिकायत मिली थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए राजस्व विभाग, अग्निशमन विभाग और पुलिस अधिकारियों की संयुक्त टीम ने अचानक फैक्ट्री पर छापा मारा। तलाशी के दौरान भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री मिलने से अधिकारियों के भी होश उड़ गए। पुलिस के मुताबिक फैक्ट्री से 130 किलोग्राम एल्युमिनियम पाउडर और 548 किलोग्राम पोटेशियम नाइट्रेट समेत बड़ी मात्रा में कच्चा विस्फोटक माल बरामद हुआ। बताया गया कि कच्चा माल तमिलनाडु और महाराष्ट्र से खरीदा जाता था। इसके अलावा 39 कुंतल 59 किलोग्राम सुतली बम वाले पटाखे तथा 315 और 32 बोर के कुल 36 निर्मित व अर्धनिर्मित कारतूस भी बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार फैक्ट्री में विस्फोटक सामग्री के भंडारण की स्वीकृत क्षमता महज 50 किलोग्राम थी, जबकि छापेमारी में इससे कई गुना अधिक मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद हुई। पुलिस का कहना है कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक यदि किसी कारणवश ब्लास्ट हो जाता तो आसपास के क्षेत्र में गंभीर तबाही हो सकती थी। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी युसूफ उर्फ मुल्ला बारूद पिछले करीब तीन वर्षों से विस्फोटक तैयार करने के काम में सक्रिय था। पुलिस को उसके कथित रूप से मुंबई तक जुड़े तार भी मिले हैं। अब पुलिस इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और विस्फोटक सामग्री की खरीद-फरोख्त के पूरे नेटवर्क की पहचान से जांच कर रही है। छापेमारी के बाद पुलिस ने बजरंग फायर वर्क्स फैक्ट्री को सील कर दिया है। बरामद विस्फोटक सामग्री को सुरक्षा के दृष्टिगत सुरक्षित स्थान पर रखवाया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि फैक्ट्री की आड़ में यह गतिविधियां कब से चल रही थीं और इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

चौक बाजार में गूंजे गणपति बप्पा के जयकारे

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से स्थापित हुई श्री गणेश प्रतिमा, प्रतिदिन होगी भव्य आरती

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के हृदय स्थल चौक बाजार में होली हवन कल्याण समिति के तत्वावधान में श्री गणपति उत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ भगवान श्री गणेश की मनमोहक प्रतिमा स्थापित की गई। प्रतिमा स्थापना के दौरान पूरा मंडप गणपति बप्पा मोरया और जय देव, जय मंगल मूर्ति के जयकारों से गूंज उठा। मुख्य पुरोहित चेतन पंडित ने शस्त्रोक्त विधि से पूजन एवं प्रतिमा स्थापना का अनुष्ठान संपन्न कराया। मुख्य यजमान सौंदर्य पंडित ने सपत्नीक पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। गणपति उत्सव के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि अमित अग्रवाल (टांडे वाले) तथा जापतागंज चौकी प्रभारी लव गिरी ने भी पहुंचकर बप्पा के चरणों में शीश नवाया और आशीर्वाद लिया। अतिथियों ने समिति द्वारा धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। आयोजन को सफल बनाने में समिति के पदाधिकारियों दीपक शर्मा, राजीव ग्रोवर, अरुण शर्मा, श्रीकांत पाटिल, मयंक शर्मा, वंश शर्मा, महेंद्र वर्मा, चिंटू ग्रोवर, अंकित शर्मा और अंकित वर्मा का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नाग-

अज्ञात वाहन की टक्कर से 10 वर्षीय बालिका की मौत, पिता समेत तीन घायल

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- मेरठ-पौड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग पर गांव चौगावा के निकट रविवार देर रात तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार 10 वर्षीय बालिका की मौत हो गई, जबकि उसके पिता समेत दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार किरतपुर थाना क्षेत्र के गांव भनेड़ा निवासी अमीर हसन अपने बच्चों जीशान (10), मायरा (6) और बल्लो उर्फ अमरीन (10) के साथ बाइक से नजीबाबाद जा रहे थे। रात करीब हादसे के दौरान चौगावा के पास पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार चारों लोग सड़क पर जा गिरे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी समीपुर पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने बल्लो उर्फ अमरीन को मृत घोषित कर दिया। वहीं अमीर हसन, जीशान और मायरा का उपचार चल रहा है। पुलिस ने बालिका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही फरार वाहन और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी गई है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दो घायल, चालक वाहन समेत फरार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में सोमवार शाम अगर-मुरादाबाद हाईवे पर पंजाबा के पास पीछे से आ रहे पिकअप वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घायलों को उपचार के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, मोहल्ला गोसिया नगर, मदीना मस्जिद के पास बहजोई निवासी जुनैद (42) पुत्र भूरे सोमवार शाम करीब 6:20 बजे अपने परिचित सोनू (23) पुत्र रफीक निवासी खुर्जा, जनपद बुलंदशहर के साथ मोटरसाइकिल से जुनैद की दवाई लेने के लिए घर से निकले थे। बताया गया कि अगर-मुरादाबाद हाईवे पर पंजाबा के पास पहुंचने पर पीछे से आए एक पिकअप वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों बाइक सवार घायल हो गए।

2027 की जीत के लिए सपा ने कसी कमर, PDA पंचायत में बूथ स्तर पर तैयारी का आह्वान

नियुक्ति पत्र बांटकर संगठन को मजबूत करने पर दिया जोर, अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का दावा

संभल (सब का सपना):- विधानसभा क्षेत्र में सोमवार को समाजवादी पार्टी की ओर से PDA पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष अस्मर अली अंसारी ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं संभल विधायक नवाब इकबाल महमूद रहे। पंचायत में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। PDA पंचायत के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। मुख्य अतिथि नवाब इकबाल महमूद और जिलाध्यक्ष अस्मर अली अंसारी ने संयुक्त रूप से नियुक्ति पत्र सौंपे। नेताओं ने कहा कि इन नियुक्तियों से संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्य अतिथियों का कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। पंचायत को लेकर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम स्थल समाजवादी पार्टी के झंडों और बैनरों से सजा नजर आया। पंचायत को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री नवाब इकबाल महमूद ने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर PDA पंचायत आयोजित की गई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभी से बूथ स्तर पर तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियों को हर वर्ग तक पहुंचाना होगा। उन्होंने दावा किया कि 2027 में प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी और अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि सपा सरकार बनने पर संभल का चौमुखी विकास कराया जाएगा। सपा जिलाध्यक्ष अस्मर अली अंसारी ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि PDA यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समाज समाजवादी पार्टी की प्रमुख ताकत है। उन्होंने कहा कि इन वर्गों को एकजुट कर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा और इसी के दम पर

लकड़ी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली और बुलेट मोटरसाइकिल की भिड़ंत, युवक की मौत

दूसरे दिन गमगीन माहौल में हुआ अंतिम संस्कार, घायल किशोर की हालत नाजुक निजी अस्पताल में उपचार जारी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- धनारी थाना क्षेत्र के पाठकपुर-जुनावई मार्ग पर ग्राम छपरा के पास रविवार शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बुलेट सवार 23 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ मौजूद 14 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा लकड़ी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली और बुलेट मोटरसाइकिल की आमने-सामने भिड़ंत के चलते हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर चीख-पुकार मच गई। घायल किशोर की हालत नाजुक बनी हुई है और उसका उपचार मुरादाबाद के निजी अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार धनारी थाना क्षेत्र के ग्राम सुनवर सराय निवासी वीरेंद्र पुत्र रामजश (23) अपने साले अखिलेश पुत्र धर्मपाल (14), निवासी ग्राम शेरआ थाना बहजोई के साथ रविवार को बुलेट मोटरसाइकिल से दवाई लेने पाठकपुर आए थे। बताया गया कि वीरेंद्र को टायरफाइड बुखार था और वह दवाई लेकर अखिलेश के साथ बुलेट से वापस अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान शाम करीब छह बजे पाठकपुर-जुनावई मार्ग पर ग्राम छपरा के पास सामने से आ रही लकड़ी से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली से बुलेट की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भोषण था कि बुलेट सवार वीरेंद्र ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि अखिलेश गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अखिलेश को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल बहजोई पहुंचाया। वहीं पुलिस ने मृतक के शव को एंबुलेंस की मदद से सरकारी अस्पताल बहजोई भिजवाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद वीरेंद्र को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं अखिलेश की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बाद में परिजन उसे मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका उपचार चल रहा है। परिजनों के अनुसार उसकी हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। वीरेंद्र की मौत की खबर मिलते ही उसके परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार वीरेंद्र की शादी करीब तीन वर्ष पहले कंचन (22) से हुई थी। उसके करीब 18 माह का मासूम

गणेश रथयात्रा को लेकर पुलिस अधीक्षक ने किया पैदल गश्त, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- सोमवार को गणेश चतुर्थी पर्व के अवसर पर कस्बा चन्दौसी में निकलने वाली गणेश रथयात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। रथयात्रा को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द निपटौती ने रथयात्रा मार्ग पर पैदल गश्त कर सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने रथयात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों, यातायात प्रबंधन, वहां चिकित्सकों ने बल्लो उर्फ अमरीन को मृत घोषित कर दिया। वहीं अमीर हसन, जीशान और मायरा का उपचार चल रहा है। पुलिस ने बालिका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही फरार वाहन और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी गई है।

उपले निकालते समय महिला को सांप ने डसा, मची अफरा-तफरी

समय पर अस्पताल पहुंचने से बची जान, उपचार के बाद महिला को घर ले गए परिजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना जुनावई क्षेत्र के ग्राम रेवाड़ा में रविवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब उपलों के बटोरे से उपले निकाल रही एक महिला को उसमें छिपे सांप ने डस लिया। सांप के डसने के बाद महिला की हालत को लेकर परिजन घबरा गए और बिना देर किए उसे उपचार के लिए सरकारी अस्पताल बहजोई लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू किया, जिसके बाद महिला की हालत में सुधार हो गया। ग्राम रेवाड़ा निवासी मोहिमा पत्नी साबिर अली, उम्र करीब 43 वर्ष, रविवार शाम करीब पांच बजे अपने गांव में स्थित उपलों के बटोरे से उपले निकाल रही थीं। बताया जा रहा है कि उपलों के बीच पहले से ही एक सांप छिपा हुआ था। जैसे ही मोहिमा ने उपले निकालने के लिए हाथ बढ़ाया, सांप ने उन्हें डस लिया। सांप के डसने के बाद महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंच गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। उन्होंने समय गंवाए बिना महिला को वाहन से सरकारी अस्पताल बहजोई पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने महिला का परीक्षण कर तत्काल उपचार शुरू किया। चिकित्सकों ने



2027 के विधानसभा चुनाव में जीत का लक्ष्य हासिल किया जाएगा। युवा नेता सोहेल इकबाल महमूद ने युव-1ओं को संबोधित करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को पार्टी से जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के विजन और समाजवादी पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने के लिए युवा कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष इरफान प्रधान, सईद इजरायली, जिला उपाध्यक्ष केपी सिंह ठाकुर, मौलाना साजिद हुसैन, नसीम हुसैन, नवाब हुसैन, रईस प्रधान, हाजी नदीम प्रधान, फैजान अंसारी, नदीम कुरैशी, अजीम कुरैशी, शौकीन प्रधान, तस्मि खां, नदीम खान, यकर फाराज, प्रतीक नानू, फराज, अस्मर अली, एसपी बिलाल सहित कई वरिष्ठ नेता एवं सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।



बेटा कार्तिक भी है। जवान पति और पिता की मौत से पत्नी कंचन का रो-रोकर बुरा हाल है। मासूम बेटे के सिर से भी पिता का साया उठ गया। परिवार की चीख-पुकार सुनकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद वीरेंद्र का शव उसके पैतृक गांव सुनवर सराय स्थित निज निवास लाया गया। शव पहुंचते ही परिवार और ग्रामीणों में फिर से मातम छा गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे। गमगीन माहौल में वीरेंद्र का अंतिम संस्कार किया गया। जवान युवक की असमय मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और अंतिम संस्कार के दौरान मौजूद लगभग हर ग्रामीण की आंखें नम नजर आईं। धनारी थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि हादसे में शामिल लकड़ी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। घटना के बाद ट्रैक्टर-चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों के साथ ही फरार चालक के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।



भौड़ नियंत्रण तथा पुलिस बल की मौहिमा ने उपले निकालने के लिए हाथ बढ़ाया, सांप ने उन्हें डस लिया। सांप के डसने के बाद महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंच गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। उन्होंने समय गंवाए बिना महिला को वाहन से सरकारी अस्पताल बहजोई पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने महिला का परीक्षण कर तत्काल उपचार शुरू किया। चिकित्सकों ने

के निदेश दिए। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को रथयात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने, भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखने तथा किसी भी अग्रिय स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। रथयात्रा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो, इसके लिए सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बताया कि महिला को बिना जहरीले सांप ने काटा था, जिसके चलते समय पर उपचार मिलने से उसकी जान बच गई। इलाज के बाद महिला की हालत सामान्य होने पर चिकित्सकों ने उसे घर ले जाने की अनुमति दे दी। इसके बाद परिजन महिला को अपने साथ घर लेकर चले गए। घटना के बाद गांव में सांप को लेकर कुछ देर तक ग्रामीणों में दहशत का माहौल रहा। ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के मौसम में अक्सर सांप गंवाए बिना महिला को वाहन से सरकारी अस्पताल बहजोई पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने महिला का परीक्षण कर तत्काल उपचार शुरू किया। चिकित्सकों ने

**कार्यालय ग्राम पंचायत भूवरा
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा**

पत्रांक: मीमो/ग्रा०पं०सामग्री आपूर्ति/विकास कार्य/निविदा/कुटेशन/2026 दिनांक: 13.09.2026

अल्पकालीन निविदा/कटेशन सूचना

[illegible][illegible]

नोट-01-यदि किसी फर्मासलघर आपूर्तिकर्ता के लिये कोई भी नया विभागीय निधन प्रचलन में आता है तो सम्बन्धित को उसकी भी कार्यवहों के मानकों को अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा।

ग्राम प्रशासक, ग्राम पंचायत भूवरा विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा	सचिव, भूवरा विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा
--	--

कार्यालय ग्राम पंचायत इमरतपुर
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

पत्रांक: मीमो/ग्रा०पं०सामग्री आपूर्ति/विकास कार्य/निविदा/कुटेशन/2026 दिनांक: 13.09.2026

अल्पकालीन निविदा/कुटेशन सूचना

[illegible][illegible]

नोट-01-यदि किसी प्रमाण/साक्ष्य/आपूर्ति/कला के लिये कोई भी नया विभागीय नियम प्रचलन में आता है तो सम्बन्धित को उसकी भी कार्यवाही के मानकों को अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा।

**कार्यालय ग्राम पंचायत बहादुरपुर मिश्र
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा**

पत्रांक: मीमो/ग्रा०पं०सामग्री आपूर्ति/विकास कार्य/निविदा/कुटेशन/2026 दिनांक: 13.09.2026

अल्पकालीन निविदा/कुटेशन सूचना

[illegible][illegible]

02- समान दरे होने पर ग्राम पंचायत एक से अधिक फर्मों को सामग्री आपूर्ति के लिये अधिकृत कर सकती है।

ग्राम प्रशासक, ग्राम पंचायत बहादुरपुर मिश्र विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा	सचिव, बहादुरपुर मिश्र विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा
--	--

कार्यालय ग्राम पंचायत तलावड़ा
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

पत्रांक: मीमो/ग्रा0प0सामग्री आपूर्ति/विकास कार्य/निविदा/कुटेशन/2026 दिनांक: 13.09.2026

अल्पकालीन निविदा/कुटेशन सूचना

[illegible]

क्र.सं.	समूची का नाम	पुनर्विधवा	र.
1	सीमर	श्री मेघनर	
2	बन्धु मे	रम की	
3	बल्लभर	रम की	
4	20 एकमर- बरही	रम की	
5	40 एकमर- ही सी	रम की	
6	टि एक सी- एक-150	श्री माहावर	
7	टि बल्लभर एक-275	श्री माहावर	
8	इरामर टुमर 60 एकमर	श्री माहावर	
9	इरामर टुमर 60 एकमर	श्री माहावर	
10	पुवरा धनर र सीमर इरामर / पुवरा रर मरमर	श्री माधुवर	
11	पुवरा धनर इरामर/मरमर	श्री माधुवर	
12	टुमर टुमर	रं मरर	
13	रं टुमर	रं मरर	
14	सीमर	श्री कुमर	
15	सीमर र पुवरा/रं	श्री कुमर	
16	सीमर का बर	श्री कुमर	
17	सीमर र बारररर रर र बार	रं मरर/रं	
18	रं री सीमर	रम की	
19	रं री र रररर/रं रररर/रं रररर	श्री रं	
20	सीमर ररर रं मरमरर उवरर	श्री रं	
21	रुमर ररर रं मरमरर उवरर	श्री रं	
22	रं ररर	श्री रं	
23	सीमर रं रं	श्री रं रं रं	
24	रं ररर उवरर	श्री रं	
25	सीमर र रं रर रं	श्री रं रं रं	
26	रं रर ररर रं रं रं	श्री रं	
27	सीमर रं रं रं	श्री रं	
28	रं रं रं रं रं रं रं रं रं रं	श्री रं	
29	रं रं रं रं रं रं रं रं रं रं	श्री रं रं रं	
30	रं रं रं रं रं रं रं रं रं रं	श्री रं रं रं रं	
31	रं रं रं रं रं रं रं रं रं रं	श्री रं रं	
32	रं रं रं रं रं रं रं रं रं रं	श्री रं रं	
33	रं रं रं रं रं रं रं रं रं रं	श्री रं रं रं रं	
34	रं रं रं रं रं रं रं रं रं रं	श्री रं रं रं रं	
35	रं रं रं रं रं रं रं रं रं रं	श्री रं रं रं रं	
36	रं रं रं रं रं रं रं रं रं रं	श्री रं रं रं	
37	रं रं रं रं रं रं रं रं रं रं	श्री रं रं रं रं	
38	रं रं रं रं रं रं रं रं रं रं	श्री रं	
39	रं रं रं रं रं रं रं रं रं रं	श्री रं	
40	रं रं रं रं रं रं रं रं रं रं	श्री रं	
41	रं रं रं रं रं रं रं रं रं रं	श्री रं	
42	रं रं रं रं रं रं रं रं रं रं	श्री रं	
43	रं रं रं रं रं रं रं रं रं रं	श्री रं	
44	रं रं रं रं रं रं रं रं रं रं	श्री रं	

नोट-01-नदी किसी फर्म/संस्था पर अपूर्णता के लिये कोई भी नया विभागीय सिद्ध प्रचलन में आता है तो सम्बन्धित को उसकी भी कार्यवाही के मानकों को अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत बीझलपुर
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

पत्रांक: मीमो/ग्रा०पं०सामग्री आपूर्ति/विकास कार्य/निविदा/कुटेशन/2026 दिनांक: 13.09.2026

अल्पकालीन निविदा/कुटेशन सूचना

[illegible]

क्र.सं.	कामची का नाम	पुनर्विस्था	र
1	सोनेट	उरी भांगुर	
2	बाबु भा	पर नी	
3	बाबु भा	पर नी	
4	20 पानांचा बाबी	पर नी	
5	40 पानांचा टो गेली	पर नी	
6	टो प्रेम मेली फुल-150	उरी भांगुर	
7	टो बाबाबा फुल-275	उरी भांगुर	
8	इतराबा टाईन 80 पानांचा	उरी भांगुर	
9	इतराबा टाईन 60 पानांचा	उरी भांगुर	
10	पकावा फल व जालीन (हनुमन्त) / पकावा पर मन्मा	उरी भांगुर	
11	पुकावाला (हनुमन्त)मन्मा	उरी भांगुर	
12	गैरबा टाईन	अ नी	
13	बां टाईन	अ नी	
14	सुबा	उरी कुनल	
15	लेंडें की पुनबाबा	उरी कुनल	
16	लेंडें का बाबा	उरी कुनल	
17	सोनेट की बाबाबा टो बाबा	अ नी	
18	मिडो ली बाबा	पर नी	
19	मन्मा की टाबाबा /मन्मिना(पुनबा)बां	उरी ना	
20	सोला लंडें मन्माबा उकाबा	उरी ना	
21	सुटा लंडें मन्माबा उकाबा	उरी ना	
22	ई रिबा	उरी ना	
23	मेनेटी मन्मा	उरी ना	
24	मिना उकाबा	उरी ना	
25	मोबा का मन्मा बा	उरी ना	
26	मोबा मन्माबा मन्मा	उरी ना	
27	मोनीनी उकाबा	उरी ना	
28	मन्माबा(मोनीनी) पुनबा बा	उरी ना	
29	मोनीनी, मन्माबा, मोनीनी बाबा व मन्मा बाबाबा व मन्मा बाबा	उरी ना	
30	मन्मा बाबा	उरी ना	
31	मन्मा बाबा	उरी ना	
32	मन्मा बाबा	उरी ना	
33	मन्मा बाबा	उरी ना	
34	मन्मा बाबा	उरी ना	
35	मन्मा बाबा	उरी ना	
36	मन्मा बाबा	उरी ना	
37	मन्मा बाबा	उरी ना	
38	मन्मा बाबा	उरी ना	
39	मन्मा बाबा	उरी ना	
40	मन्मा बाबा	उरी ना	
41	मन्मा बाबा	उरी ना	
42	मन्मा बाबा	उरी ना	
43	मन्मा बाबा	उरी ना	
44	मन्मा बाबा	उरी ना	

02- समान रहे होने पर ग्राम पंचायत एक से अधिक जमों को सामग्री आपूर्ति के लिये अधिकृत कर सकती है।

ग्राम प्रशासक, ग्राम पंचायत बीड़ालपुर विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा	सचिव, बीड़ालपुर विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा
--	--

कायोलय ग्राम पंचायत सूचरा
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

अल्पकालीन निविदा/कुटेशन सूचना

[illegible][illegible]

02- समान दरे होने पर ग्राम पंचायत एक से अधिक फर्मों को सामग्री आपूर्ति के लिये अधिकृत कर सकती है।

कार्यालय ग्राम पंचायत खरपड़ी
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

पत्रांक: मीमो/ग्रा०प०सामग्री आपूर्ति/विकास कार्य/निविदा/कुटेशन/2026 दिनांक: 13.09.2026

अल्पकालीन निविदा/कुटेशन सूचना

[illegible]

क्र.सं.	सामग्री का नाम	पुनर्विभाजक	रत
1	सैमरेट	श्री केदार	
2	समुद्र	प्र. की.	
3	समस्तुर	प्र. की.	
4	20 एमएलएम बरही	प्र. की.	
5	40 एमएलएम टि. सेठी	प्र. की.	
6	टि. प्रम. 001 एम.-150	श्री गंगावाहन	
7	टि. बरवाहा एम.-275	श्री गंगावाहन	
8	इटरनाल टर्नल 80 एमएलएम	श्री गंगावाहन	
9	इटरनाल टर्नल 60 एमएलएम	श्री गंगावाहन	
10	पंचाव घन व अतिम जलपुनरे / पंचाव प्र. मण्डल	श्री गंगापुनरे	
11	पुनरावत जलपुनरे/मण्डल	श्री गंगापुनरे	
12	टीवर टर्नल	श्री मंदर	
13	पर्व टर्नल	श्री मंदर	
14	सिया	श्री कुनत	
15	लैंगे की गुणम चर्च	श्री कुनत	
16	लैंगे का खान	श्री कुनत	
17	सैमरेट की घाट(टीवर से घाट)	श्री मंदर/रा.	
18	सिंधु ट्री सील	प्र. की.	
19	सम्राटी के टारनेर (कमिशन/टीवर/पर्व)	श्री रा.	
20	सोल गार्ड-मण्डल/मण्डल उपकरण	श्री रा.	
21	सुंदर गार्ड-मण्डल/मण्डल उपकरण	श्री रा.	
22	ई-रिल	श्री रा.	
23	सेमरेट कागजी	श्री गंगापुनरे	
24	सिक्की उपकरण	श्री रा.	
25	लैंगे का वैमिग जल	श्री रा. की.	
26	सैमरेट लैंगे/सेमरेट	श्री रा.	
27	सी-सी. टैलर से	श्री रा.	
28	उपकरण/समुद्र/टीवर टीवर/मण्डल	श्री रा.	
29	कुला माती/टीवर से सार्वजनिक	श्री रा.	
30	सोमिंग, इंडोनेशिया, सैमरेट कागज व अन्य केटर/मण्डल व मण्डल/मण्डल जल	श्री सिन्धु/टीवर	
31	सुंदर लैंगे बरही	श्री की.	
32	डिप्रेटर वल पु. 10 मण्डल/मण्डल	श्री सिन्धु	
33	सी-सी.सी. लैंगे वल की.अनू. लैंगे/मण्डल मण्डल मण्डल	श्री टीवर मंदर	
34	मैण्डल मण्डल मण्डल	श्री टीवर मंदर	
35	मैण्डल सिक्की मण्डल	श्री टीवर मंदर	
36	लैंगे वल मण्डल	श्री रा. पु.	
37	काली-सी.सी. लैंगे/लैंगे/मण्डल	श्री टीवर मंदर	
38	बलर लैंगे-अनू. सी. सी. लैंगे	श्री रा.	
39	टीवर वल लैंगे/मण्डल	श्री पु.	
40	इमिटर	श्री रा.	
41	लैंगे मण्डल	श्री रा.	
42	सी.सी.सी. लैंगे मंदर उपकरण/मण्डल व निर्माण मण्डल	श्री रा.	
43	इमिटर/लैंगे वल मण्डल	श्री रा.	
44	लैंगे का वल 1 डिग्री	श्री रा.	

02- समान दूरे होने पर ग्राम पंचायत एक से अधिक जमों को सामग्री आपूर्ति के लिये अधिकृत कर सकती है।

ग्राम प्रशासक, ग्राम पंचायत खरपड़ी विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा	सचिव, खरपड़ी विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा
---	---

कायालय ग्राम पंचायत आदमपुर
विकासखंड गंगेश्वरी, जनपद अमरोहा

पत्राक: मीमा/ग्रा०प०सामग्री आपूर्ति/विकास कार्य/निविदा/कुटेशन/2026 दिनाक: 13.09.2026

[illegible]

क्रमांक	कलाकारों का नाम	पुस्तक/गीत/नाटक	रत
1	सोनेर	श्री बेगम	
2	बन्नु मे	रत की	
3	बालकृष्ण	रत की	
4	40 एमएम- बारी	रत की	
5	40 एमएम- टू सेरी	रत की	
6	टू ब्रम बॉय एम-150	श्री माहावत	
7	टू बालन एम-275	श्री माहावत	
8	इटावला टूडन 80 एमएम	श्री माहावत	
9	इटावला टूडन 60 एमएम	श्री माहावत	
10	परादा वरन के शक्तिन इम्पुमेन्ट / परादा वर नामदा	श्री माहेश्वर	
11	पुलाकान इम्पुमेन्ट/गमन	श्री माहेश्वर	
12	पिरर टूडन	श्री मीर	
13	पर्व टूडन	श्री मीर	
14	सौर	श्री कुनत	
15	लैंड की पुरानाहूँ	श्री कुनत	
16	लैंड का बान	श्री कुनत	
17	सोनेर की घाट/रतन दे के घाट	श्री मीर/एम	
18	मिडू टूडन	रत की	
19	महारी के दरारन (कर्मिण/राम/चान्द)	श्री मा	
20	मोस लहू- मागमन/उकल	श्री मा	
21	मूटू लहू- मागमन/उकल	श्री मा	
22	ई-रिस	श्री मा	
23	मेरेदी चम्पी	श्री मा/मर्गरी	
24	मिथी उकल	श्री मा	
25	मोरे का मीणि ल	श्री लो की	
26	मोणि मीनि/मो मीन	श्री मा	
27	सी-सी डेस दे	श्री मा	
28	महारी/महारी/महारी सीवाना ममन	श्री मा	
29	मुझ मीनि/लेरी च मरुई फि	श्री मा	
30	मोनिगन, इंडोमोनिगन, मीणि घाट/रत व ब्रम मीर/महारी व ममन/मोरे ममन/ममन	श्री मीनि/मोरे	
31	मोनि मीनि मरुई	श्री लो	
32	मिनिगन वर मू, ये ममेन/मोरे	श्री मीनि	
33	सी-सी-सी मीनि च लो/मोरे मीनि/मोरे ममन ममन	श्री लो मीर	
34	मोनिगन ममन ममन	श्री लो मीर	
35	मोनिगन मीनि ममन	श्री लो मीर	
36	मोरे च मरुई	श्री लो मू	
37	मोनिगन-सी मीनि/मोनिगन	श्री लो मीर	
38	मरु ममन ममन-मोरे मीनि	श्री मा	
39	मोनि मरुई/ममन	श्री मू	
40	मोनिगन	श्री मा	
41	मोनिगन ममन	श्री मा	
42	मोनिगन मीनि ममन/ममन व मीनिगन ममन	श्री मा	
43	मोनिगन मीनि ममन	श्री मा	
44	मोरे का ये व मीनि	श्री मा	

02- समान रहे होने पर ग्राम पंचायत एक से अधिक जर्म को सामग्री आपूर्ति के लिये अधिकृत कर सकती है।



शॉपिंग के दौरान बचाने हैं पैसे तो फॉलो करें ये आसान टिप्स

शॉपिंग के दौरान अक्सर लोग अपने तय बजट से ज्यादा खर्च कर देते हैं, जो उनके बजट पर बुरा असर डालता है। इस स्थिति में उनके लिए महीने को मैनेज करना बड़ा टास्क बन जाता है। आपके साथ ऐसा न हो इसके लिए हम लाए हैं कुछ बेहद काम के टिप्स।

बनाएं लिस्ट

सबसे पहले तो इसकी लिस्ट बनाएं कि आपको क्या लेना है। लिस्ट का तरीका सिर्फ किराना लाने के लिए बल्कि कपड़ों आदि की शॉपिंग के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस आपको अपने कपड़ों को एक बार अच्छे से देखना है और यह लिखना है कि आपके पास क्या नहीं है या किस तरह के कपड़ों की आपको सबसे ज्यादा जरूरत है। यह फिल्टर उन चीजों पर बिना मतलब के खर्च से बचने में मदद करेगा।

कैरी करें सिर्फ कैश

लोग डिजिटल पैमेंट की ओर जा रहे हैं और हम कैश कैरी करें जी हां, अगर आपको अपने बजट में रहते हुए शॉपिंग करना है तो इससे अच्छा और कोई तरीका नहीं हो सकता। जब खर्च करने के लिए एक्सट्रा पैसे ही नहीं होंगे तो भला आप दूसरी चीजों पर खर्च ही कैसे कर सकेंगे

और यही चीज आपको फालतू के खर्चों से बचा लेगी।

एक जगह न अटकें

चाहे कपड़े लेने हों या फिर किराना, किसी एक जगह न अटकें और दूसरी जगहों पर भी इन चीजों को देखें। उदाहरण के लिए कपड़ों पर एक जगह जो जींस आपको 4000 की मिल रही है, वैसी ही जींस दूसरी जगह डिस्काउंट के साथ मिल सकती है या फिर दूसरे ब्रैंड में कम कीमत पर खरीदी जा सकती है। इसी तरह मान लीजिए अगर एक ब्रैंड का लोशन 340 रुपये का मिल रहा है तो हो सकता है दूसरे ब्रैंड के लोशन पर इसी कीमत में एक के साथ एक फ्री मिल रहा है। इसलिए जितना हो सके पहले एक्सप्लोर जरूर करें।

बोरियत में कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं

बोरियत होने पर गेम्स खेलें, मूवी देखें, कुकिंग करें कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं। सबसे खतरनाक होती है इमोशनल शॉपिंग जो सबसे ज्यादा बिना मतलब का खर्चा करवाती है। इस तरह की शॉपिंग का एक और नुकसान यह भी होता है कि इस दौरान ली गई ज्यादातर चीजें ऐसी होती हैं जिनका आप कभी यूज भी नहीं करेंगे।

ऑनलाइन देखें ऑफ़शान्स

आजकल ज्यादातर ब्रैंड्स की वेबसाइट्स भी

होती हैं जहां से कपड़ों को ऑनलाइन ऑर्डर किया जा सकता है। इन वेबसाइट्स पर अच्छा खासा डिस्काउंट भी उपलब्ध होता है। ऐसे में आप चाहे तो स्टोर में कपड़ों को ट्राई कर सकती हैं और सही साइज मिल जाने पर उसे ऑनलाइन सर्व करें। अगर वहां ये सस्ते में मिल रहे हैं तो फिर वेबसाइट से ही इसे ऑर्डर करें।

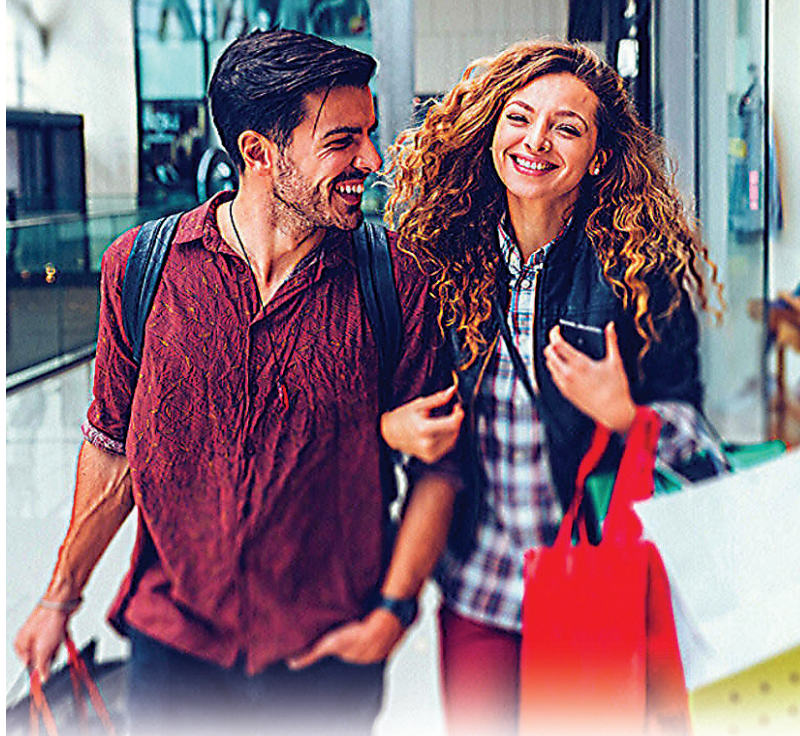
शॉपिंग पार्टनर

भी है अहम

हमें यकीन है आप में से कई लोगों ने कभी इस बात को सोचा भी नहीं होगा, लेकिन आपकी फिजूलखर्ची के लिए आपके साथ शॉपिंग पर गया शख्स भी जिम्मेदार हो सकता है। अगर वह आपको बार-बार नई चीज दिखाए और कहे



कि आप इसे ले लें क्योंकि यह अच्छा लगेगा, या फिर डिस्काउंट के चक्कर में ज्यादा चीजें लेने की सलाह दे तो बेहतर है कि अगली बार आप उसके साथ न जाएं। शॉपिंग पर ऐसे शख्स के साथ जाएं जो आपको फिजूलखर्ची से रोके और आपको जो लेना है उसकी ओर ध्यान केंद्रित करवाएं।



जा रहे हैं सब्जी लेने तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान

सब्जी खरीदने की बात आती है तो ज्यादातर लोग बस दाम पर ही ध्यान देते हैं, लेकिन सिर्फ प्राइस कम है तो इसका मतलब यह नहीं कि यह फायदे का सौदा है। बल्कि आपको इन्हें खरीदने के दौरान ऐसी कई चीजों का ध्यान रखना चाहिए जो सब्जी की मौजूदा क्वालिटी और वह कितनी जल्दी खराब हो जाएगी यह तय करते हैं।

सब्जी न हो कहीं से डैमेज

सब्जी जब लें तो उसे चारों ओर से पलटकर ध्यान से जरूर देखें। अगर उसमें जरा सा भी छेद या कट दिखाई देता है तो उसे न लें। ऐसी सब्जियों में कीड़े होने के चांस ज्यादा रहते हैं। वहीं अगर जो सब्जियां किसी हिस्से से दबी हुई हों खासतौर से टमाटर जैसी चीज तो इनके जल्दी खराब होने का डर रहता है।

हल्का सा दबाकर देखें

टमाटर हो, प्याज हो, आलू हो, गाजर हो या कोई अन्य सब्जी, उसे दबाकर जरूर देखें। हल्के से दबाव से ही पता चल जाता है कि कहीं वह सब्जी अंदर से खराब तो नहीं है। हालांकि, पत्तेदार सब्जियों पर यह तरीका काम नहीं करता है।

जब बात आए पत्तेदार सब्जियों की

पत्तेदार सब्जियों में इतने बैरायटी होती है कि सभी पर एक तरीका काम नहीं करता है। हालांकि, कुछ कॉमन बातें हैं जिनका इन्हें लेने के दौरान ध्यान रखना जरूरी है। ध्यान में रखें कि ऐसी पत्तेदार सब्जी न लें जो पानी में बहुत ज्यादा भीगी हो, इनके जल्दी खराब होने के डर रहता है। पालक, लाल भाजी जैसी सब्जियों को लेते वक्त एक-एक पत्ते को ध्यान से देख लें क्योंकि इनके बीच में कीड़े हो सकते हैं। पत्ते पीले या बड़े हों तो उन्हें न लें क्योंकि उनमें स्वाद कम होता है।

सूँघकर देखें

मार्केट में पैकड मशरूम, कॉरन्स, स्प्राउट्स जैसी चीजें मिलती हैं। इन्हें जब लें तो पैकेट को नाक से थोड़ी दूर पर रखते हुए उन्हें सूँघें। अगर वे पुराने होंगे तो उनकी स्मेल बदल चुकी होगी। ऐसे पैकेट्स को न लें, नहीं तो बीमार हो सकते हैं।

उतना ही लें जितना इस्तेमाल हो जाए

कई ऐसी सब्जियां होती हैं जिन्हें सिर्फ उतना ही लेना चाहिए जितना आप इस्तेमाल कर पाएं। फ्रिज में भी ये सब्जियां ज्यादा दिन टिक नहीं पाती हैं। उदाहरण के लिए धनिया और टमाटर। ये दोनों ऐसी चीजें हैं जिन्हें आप ज्यादा ले तो लें लेकिन अगर ये सिर्फ फ्रिज में ही रखी हैं तो तीन-चार दिन में ही ये खराब होना शुरू कर देंगी।



बेड के लिए परफेक्ट चादर खरीदने में काम आएंगी ये टिप्स

लोग आमतौर पर बेड के गद्दों को लेने से पहले पूरी जानकारी इकट्ठा कर लेते हैं लेकिन जब बात आती है चादर की तो वे इस मामले को हल्के में ले लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अच्छी नींद के लिए जितना जरूरी अच्छा गद्दा है उतनी ही जरूरी चादर भी है। आप अपने बेड के लिए कैसे सही चादर चुन सकते हैं इसमें नीचे दिए टिप्स आपके काफी काम आ सकते हैं। फैब्रिक का रखें ध्यान सबसे बड़ी और पहली बात होती है फैब्रिक का सही सिलेक्शन करना। यह इसलिए जरूरी होता है कि क्योंकि बेडशीट का कपड़ा आपके शरीर के संपर्क में आएगा इसलिए चादर का सिर्फ सुंदर होना नहीं बल्कि कफर्टेबल होना भी जरूरी है। इस लिहाज से कॉटन की चादर बेस्ट फिट कही जा सकती है। कॉटन न सिर्फ रिकन के अग्रेस्ट कफर्टेबल रहता है बल्कि यह ब्रिदेबल फैब्रिक भी माना जाता है, जो नमी इकट्ठा नहीं करता।

साइज

बस यूं ही चादर लेने न निकल पड़ें। आपका बेड कितने साइज का है और आपको साइड में कितनी चादर छोड़नी है इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए बेडशीट सिलेक्ट करें। आमतौर पर अगर आप मार्केट से चादर लेते हैं तो पैकेट

पर ही साइज लिखा होता है, जो आपके काम को आसान कर सकता है। हालांकि, अगर आप बिना पैकेट वाली चादर लेते हैं तो नाप का ध्यान जरूर रखें।

वाइट- कलरफुल चादर

वाइट कलर की खासियत होती है कि यह शांत करने में मदद करता है। यही इफेक्ट सफेद चादर भी क्रिएट करती है। यह ज्यादा रिलेक्सिंग फीलिंग के साथ ही मूड को शांत करने में मदद करती है। वहीं कलरफुल चादर रूम में चियरफुल फील क्रिएट करती है। बात करें स्ट्राइप चादर की तो यह रूम को व्यवस्थित दिखाने में मदद करती है।

रिटर्न पॉलिसी

जी हां, इस बात को भूलकर भी इग्नोर न करें। कई बार होता है कि चादर लेने के बाद एक ही वॉश में सारे कलर उड़ जाते हैं। अच्छी कंपनीज अपने ग्राहकों को ऐसी स्थिति में चादर रिटर्न करने का भी ऑप्शन देती है क्योंकि यह क्वालिटी में खरे न उतरने वाली बात है। ऐसे में अगर आप ऐसी कंपनी की चादर ले लें जिसमें ऐसी रिटर्न पॉलिसी न हो तब तो आपकी चादर बस एक ही बार बिछाई जा सकेगी।



क्या आप मार्केट में नई बेडशीट लेने जाने के बारे में सोच रहे हैं अगर हां तो बेहतर होगा कि आप पहले नीचे दी गई जानकारी पढ़ें लें, ऐसा करने पर शायद आप ज्यादा बेहतर चादर का सिलेक्शन कर सकेंगे।



‘मिर्जापुर’ ने मेरे करियर में भरोसा बनाने में बहुत मदद की

‘मिर्जापुर’ की डिंपी यानी हर्षिता गौर लंबे समय से दर्शकों के बीच पहचान बना चुकी है। ‘साझा हक’ के बाद उन्हें करीब एक साल तक काम नहीं मिला। इस दौर में उन्हें खुद भी पता नहीं था कि वह डिप्रेशन से गुजर रही हैं। एक्टिंग वर्कशॉप ने उन्हें इससे बाहर निकलने में मदद की। ‘मिर्जापुर’ ने उनके करियर को नई पहचान दी और अब वह फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर नजर आएंगी। बातचीत में हर्षिता ने करियर के उतार-चढ़ाव का किस्सा साझा किया।

‘साझा हक’ के बाद आपके करियर में सबसे मुश्किल दौर कौन सा रहा?

‘साझा हक’ खत्म होने के बाद करीब एक साल तक मेरे पास काम नहीं था। शो तीन साल चला था और मुझे लगा था कि अब फिल्मों में काम करूंगी। लेकिन काम मिलना आसान नहीं था। शुरुआत के एक-दो महीने घूमने-फिरने में निकल गए। उसके बाद मुंबई में बिना काम के रहना एक एक्टर के लिए काफी मुश्किल होता है। उस समय मैं डिप्रेशन में चली गई थी। उस समय आपको पता था कि आप डिप्रेशन में जा रही हैं?

नहीं, उस समय मुझे बिल्कुल एहसास नहीं था। बाद में डिप्रेशन के लक्षणों के बारे में पता चला तो पीछे मुड़कर समझ आया कि मेरे साथ भी ऐसा ही हो रहा था। मैं मुंबई वाले घर में ही रहती थी। एक दिन पड़ोस वाली आंटी आई और उन्होंने कहा कि काफी दिनों से दिखाई नहीं दी। तब भी मैं किसी को ठीक से नहीं बता पा रही थी कि मेरे साथ क्या हो रहा है।

फिर इस दौर से बाहर कैसे निकलीं?

मैंने अतुल मंगिया के सजेस्ट करने पर एक एक्टिंग वर्कशॉप की। मैं आज भी उन्हें अपना गुरु मानती हूं। उन्होंने मुझे एक एक्टर के तौर पर बेहतर किया और मुझे लगता है कि उन्होंने मुझे बचाया भी। वह अनुभव मेरे लिए थैरेप्यूटिक रहा। उसके बाद समझ आया कि ऐसा महसूस होने पर थैरेपिस्ट से भी बात की जा सकती है। उस समय मुझे मेंटल हेल्थ या डिप्रेशन के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी।

‘मिर्जापुर’ आपके करियर में कब आया?

‘मिर्जापुर’ मैंने अक्टूबर 2017 से करना शुरू किया था। उससे पहले मेरी एक्टिंग वर्कशॉप हो चुकी थी। यह मेरे लिए बहुत बड़ा मोड़ साबित हुआ। शो ने मुझे लोगों तक पहुंचाया और डिंपी के किरदार से मुझे अलग पहचान मिली।

‘मिर्जापुर’ की वजह से आपको आगे कितना फायदा मिला?

बहुत फायदा हुआ। ‘जहानाबाद’ का काम भी कहीं न कहीं ‘मिर्जापुर’ की वजह से मिला। साथ ही फिल्म ‘फलकनुमा दास’ भी मिली। जब लोग आपको किसी काम में देख चुके होते हैं तो उनका भरोसा बढ़ जाता है। ‘मिर्जापुर’ ने मेरे करियर में यह भरोसा बनाने में बहुत मदद की।

साउथ की फिल्म के बाद वहां आगे काम क्यों नहीं कर पाईं?

‘फलकनुमा दास’ 2019 में रिलीज हुई थी। उसके बाद मैं वहां और काम करना चाहती थी, लेकिन लगातार दो लॉकडाउन आ गए। मैं वापस वहां जा ही नहीं पाई। वरना मेरी साउथ में और काम करने की इच्छा थी।

इस जर्नी में आपकी सबसे बड़ी सफलता क्या रही?

खुद को पहचानना। मेरे लिए पर्सनल ग्रोथ सबसे बड़ी सफलता है। इस फील्ड में रहते हुए समझ आया कि मैं कौन हूं, मेरी स्ट्रेथ, कमजोरियां और पैटर्न क्या है और मैं अपने काम में क्या लेकर आती हूं।

इतने सालों में सबसे बड़ी चुनौती क्या रही?

अपनी उम्मीदों और वास्तविकता के बीच संतुलन बनाना। हम ए से शुरू करते हैं और जेड तक





मेल वर्सेस फीमेल: दोहरे मापदंडों का शिकार होती हैं फिल्में

तापसी ने साफ कहा कि बॉलीवुड में पुरुष केंद्रित और महिला केंद्रित फिल्मों के आकलन के मापदंड पूरी तरह अलग हैं। तापसी के अनुसार, अगर किसी बड़ी महिला प्रधान फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन खराब रहता है, तो उसका नुकसान केवल उस फिल्म के मेकर्स को नहीं, बल्कि इंडस्ट्री की बाकी सभी अभिनेत्रियों और उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स को उठाना पड़ता है। क इंटरव्यू में जब तापसी से आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म ‘अल्फा’ के प्रदर्शन पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने माना कि ऐसी फिल्मों के न चलने का असर अन्य अभिनेत्रियों पर भी पड़ता है। पसी ने बताया, यह हर साल की कहानी बन चुकी है। जैसे ही किसी बड़े बजट या बड़े सुपरस्टार की महिला केंद्रित फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चलती, इन्वेस्टर्स की भाषा तुरंत बदल जाती है। वे कहने लगते हैं कि ‘आजकल महिला प्रधान फिल्में नहीं चल रही हैं, जब इतनी बड़ी स्टार की फिल्म पिट गई तो बाकी का क्या होगा?’ इसके बाद कई चलती हुई बातचीत रुक जाती है और बनने वाली फिल्में ठंडे बस्ते में खल दी जाती हैं।

तापसी ने इस बात पर जोर दिया कि मेल-सेंट्रिक एक्शन फिल्मों और फीमेल-सेंट्रिक एक्शन फिल्मों को तोपने का तरीका बहुत असमान है। बड़ी स्टार-कास्ट वाली पुरुष प्रधान फिल्मों को अक्सर कमजोर कहानी के बावजूद सिर्फ एक्शन और ग्लैमर के दम पर स्वीकार कर लिया जाता है। तापसी ने कहा, अगर किसी मेल-ड्रिवन फिल्म की कहानी 10 में से 5 या 6 भी हो, तो भी वह चल जाती है। लेकिन जब महिला प्रधान फिल्म पर पैसा लगाया जाता है, तो उम्मीद की जाती है कि कहानी 10 में से 11 होनी चाहिए। हमारे लिए गलती करने की गुंजाइश बिल्कुल माइनस में होती है।

नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है ‘गांधारी’

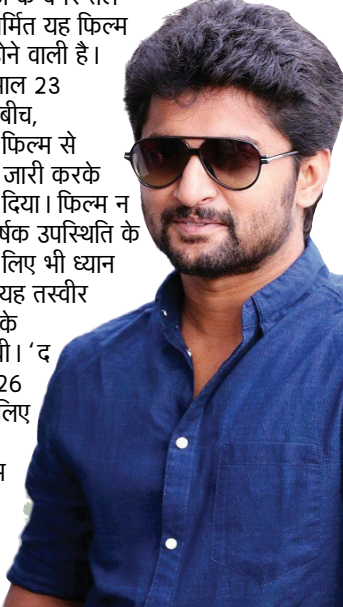
देवाशीष मखीजा के निर्देशन और कनिका ढिल्लों के प्रोडक्शन में बनी फिल्म ‘गांधारी’ में तापसी पन्नू के साथ इशवाक सिंह मुख्य भूमिका में हैं। यह एक्शन-थ्रिलर फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है और दर्शकों द्वारा तापसी के एक्शन अवतार को सराहा जा रहा है।



24 सितंबर को रिलीज होने वाली है नानी की ‘द पैराडाइज’

इंडस्ट्री के सूत्रों की मानें तो, डायरेक्टर श्रीकांत ओडेला की बेसब्री से इंतजार की जा रही एक्शन एंटरटेनर फिल्म ‘द पैराडाइज’, जिसमें तेलुगु स्टार नानी मुख्य भूमिका में हैं, की शूटिंग अब पूरी हो गई है। सूत्रों का कहना है कि फिल्म की यूनिट ने प्रोडक्शन का हिस्सा पूरा कर लिया है और पोस्ट-प्रोडक्शन का काम भी जोरों पर है। एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले सुधाकर चेरुकुरी द्वारा निर्मित यह फिल्म 24 सितंबर को रिलीज होने वाली है।

फिल्म का प्रीमियर इस साल 23 सितंबर को होना है। इस बीच, निर्माताओं ने गुरुवार को फिल्म से नानी की एक नई तस्वीर जारी करके प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा दिया। फिल्म न केवल अभिनेता की आकर्षक उपस्थिति के लिए, बल्कि इस तथ्य के लिए भी ध्यान आकर्षित कर रही है कि यह तस्वीर निर्देशक श्रीकांत ओडेला के मोबाइल का स्क्रीनशॉट थी। ‘द पैराडाइज’ 26 मार्च, 2026 को एक भव्य रिलीज के लिए निर्धारित थी। हालांकि, इसके निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज को पहले 21 अगस्त और फिर 24 सितंबर तक स्थगित करने का फैसला किया।



स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं महिलाएं

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने एक्टिंग के साथ-साथ अपनी जिंदगी के अलग-अलग किरदारों को भी बखूबी निभाया है। उन्होंने शादी और मां बनने के बाद फिल्मों से दूरी बनाई, लेकिन इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के साथ-साथ बिजनेस पर भी ध्यान दिया। अब लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी कर चुकी प्रीति ने अपनी जिंदगी के इस सफर और मां होने के साथ प्रोफेशनल जिम्मेदारियां निभाने को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि करियर और परिवार को एक साथ संभालना आसान नहीं है, लेकिन सही सपोर्ट सिस्टम और सुविधाएं हों तो यह काम काफी हद तक आसान हो जाता है। बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा कि महिलाएं स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं। उनके मुताबिक, महिलाओं के लिए घर, परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियां संभालना कोई नई बात नहीं है। प्रीति ने अपनी मां का उदाहरण देते हुए कहा कि भले ही उनकी मां नौकरी नहीं करती थीं, लेकिन घर और परिवार की देखभाल करना अपने आप में किसी फुल टाइम जॉब से कम नहीं था। प्रीति ने कहा, अब महिलाएं सुपर वुमन बन गई हैं, क्योंकि बहुत सी महिलाएं काम करती हैं और घर आने के बाद भी बच्चों की देखभाल करती हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, ‘काम और मदरहुड को एक साथ संभालना चुनौती भरा जरूर है। मैं खुद को बहुत लकी मानती हूं, क्योंकि मेरे साथ ऐसे लोगों का सपोर्ट है, जिनकी मदद से मैं अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल जिम्मेदारियों को मैनेज कर पाती हूं। अगर मुझे मदद नहीं मिलती, तो मेरे लिए अपने काम के लिए बाहर आना भी मुश्किल होता।

करीना कपूर ने बॉलीवुड निर्देशकों की सोच को बताया ‘भेड़ चाल’ जैसा!

बॉलीवुड में बीते कुछ दिनों में कई ऐसी फिल्म रिलीज हुई हैं, जिनमें लीड एक्टर का अंदाज बेहद आक्रामक दिखाया गया है। अब एक बातचीत के दौरान अभिनेत्री करीना कपूर ने इस मामले पर खुलकर बात की। साथ ही बॉलीवुड फिल्ममेकर्स से जुड़ा एक बड़ा बयान दिया।

हाल ही में युवा नाम के एक यूट्यूब चैनल पर एक्ट्रेस ने नए दौर की आक्रामक फिल्मों पर बात करते हुए कहा, ‘हमारे दर्शक जितना हम सोचते हैं, उससे कहीं ज्यादा समझदार हैं। उन्हें पता है कि अच्छी फिल्म कौन सी है और वे उसे देखना चाहते हैं। आज बात सिर्फ एक यंग लव स्टोरी की नहीं है। ये सारी चीजें बहुत पुरानी हो चुकी हैं। आज कल हिंसा का दौर है।’

बोलीं- ‘चीजें बदल रही हैं
अपनी बातचीत में आगे करीना कपूर ने कहा, ‘एक ‘एनिमल’ फिल्म चल गई है तो हम भी वैसी ही बना लेते हैं। क्या हमारी सोच ‘भेड़ चाल’ जैसी है? हालांकि, कुछ ऐसे फिल्ममेकर्स भी हैं जो कुछ अलग करना चाहते हैं। जो आपके विचारों को झकझोरना चाहते हैं और जिनकी अपनी फैन फॉलोइंग है। मुझे लगता है कि अब चीजें बदल रही हैं। दर्शक अब ट्रेंडर

हर फिल्म करोड़ों नहीं कमा सकती

करीना ने यह भी बताया कि फिल्ममेकर्स अब पुराना माइंड सेट छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, ‘यंग ऑडियंस ऐसे सवाल पूछेगी जो आपको सोचने पर मजबूर करेगे। आज के दौर में फिल्ममेकर्स ये सोचकर फिल्म नहीं बना सकते कि ये कॉमेडी है, तो चल जाएगी। हर फिल्म 200 करोड़ या 500 करोड़ कमाने वाली नहीं है। मुझे लगता है कि हम इसे बदल रहे हैं और दर्शक इसमें हमारी मदद कर रहे हैं।’



स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं महिलाएं

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने एक्टिंग के साथ-साथ अपनी जिंदगी के अलग-अलग किरदारों को भी बखूबी निभाया है। उन्होंने शादी और मां बनने के बाद फिल्मों से दूरी बनाई, लेकिन इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के साथ-साथ बिजनेस पर भी ध्यान दिया। अब लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी कर चुकी प्रीति ने अपनी जिंदगी के इस सफर और मां होने के साथ प्रोफेशनल जिम्मेदारियां निभाने को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि करियर और परिवार को एक साथ संभालना आसान नहीं है, लेकिन सही सपोर्ट सिस्टम और सुविधाएं हों तो यह काम काफी हद तक आसान हो जाता है। बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा कि महिलाएं स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं। उनके मुताबिक, महिलाओं के लिए घर, परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियां संभालना कोई नई बात नहीं है। प्रीति ने अपनी मां का उदाहरण देते हुए कहा कि भले ही उनकी मां नौकरी नहीं करती थीं, लेकिन घर और परिवार की देखभाल करना अपने आप में किसी फुल टाइम जॉब से कम नहीं था। प्रीति ने कहा, अब महिलाएं सुपर वुमन बन गई हैं, क्योंकि बहुत सी महिलाएं काम करती हैं और घर आने के बाद भी बच्चों की देखभाल करती हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, ‘काम और मदरहुड को एक साथ संभालना चुनौती भरा जरूर है। मैं खुद को बहुत लकी मानती हूं, क्योंकि मेरे साथ ऐसे लोगों का सपोर्ट है, जिनकी मदद से मैं अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल जिम्मेदारियों को मैनेज कर पाती हूं। अगर मुझे मदद नहीं मिलती, तो मेरे लिए अपने काम के लिए बाहर आना भी मुश्किल होता।



यामी गौतम की फिल्म ‘नई नवेली’ में हॉरर के साथ कॉमेडी का तड़का

अभिनेत्री यामी गौतम की हॉरर-कॉमेडी फिल्म ‘नई नवेली’ के मेकर्स ने फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया। यह फिल्म डर के साथ-साथ कॉमेडी, फैटेसी और पारिवारिक भावनाओं का एक अनोखा मिश्रण होगी। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, ‘देवियों और सज्जनों, मोहिनी की तरफ से एक लिटिल रिवेस्ट। फिल्म ‘नई नवेली’ का टीजर रिलीज।’ 1 मिनट 31 सेकंड के टीजर में एक आम घरेलू माहौल के बीच अजीब और हास्यप्रद स्थितियां देखने को मिलती हैं। टीजर की शुरुआत एक सामान्य परिवार से होती है, जहां घर में आई नई नवेली दुल्हन (यामी गौतम) सबका दिल जीतती है तभी देवर को शक होता है और वह गंभीर आरोप लगाता है कि भाभी डायन है। इसके बाद टीजर जैसे आगे बढ़ता है अभिनेत्री यामी गौतम की झलक देखने को मिलती है, जिसमें वे कहती हैं, ‘दो डायन, तीन पिशाच और चार भूत को मैं सुबह नाश्ते में खा जाती हूं। बालाजी मोहन के निर्देशन में बनी फिल्म ‘नई नवेली’ को आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा

(कलर येलो प्रोडक्शन और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज) मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म की पटकथा हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार जी. वी. प्रकाश कुमार ने तैयार किया है।

फिल्म की कहानी एक ऐसी दुल्हन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो देखने में बिल्कुल आदर्श लगती है। वह मेरठ के एक ऐसे परिवार में पहुंचती है, जहां पहले से ही काफी उथल-पुथल है। अपनी समझदारी और चारों से वह इस बिखरे हुए परिवार को खुशहाल बनाने की कोशिश करती है। देखते ही देखते जिस घर में परेशानियां थीं, वहां खुशियां आने लगती हैं। इसी बीच उसके देवर को अपनी भाभी पर शक होने लगता है। उसे लगता है कि इतनी अच्छी और परफेक्ट भाभी के पीछे कोई राज जरूर है और कहीं वह वास्तव में डायन तो नहीं। यही शक फिल्म की कहानी को हास्य और रोमांच से जोड़ता है। फिल्म में यामी गौतम घर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म इसी साल दशहरे के मौके पर 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

